आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 313 | उज्जैन, गुरूवार 02 अक्टूबर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

देश के आदर्श उदाहरण होंगे राष्ट्रीय उद्यानों के पास वन्य जीवों के लिए बनने वाले जू एंड रेस्क्यू सेंटर-मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वन्य जीव हमारी प्राकृतिक पूंजी हैं, जो जंगल और पर्यावरण की रोशनी हैं। मानव और वन्य जीवों का सहअस्तित्व ही प्रकृति के संतुलन का वास्तविक प्रतीक है। हम 'जियो और जीने दो' की भावना के साथ सबके जीवन विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। वन्य जीवों के संरक्षण के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे। वन्य जीव हमारे लौकिक जगत की अलौकिक धरोहर हैं। ये केवल साधारण जीव नहीं हैं। वे प्रकृति की अद्वितीय रचनाएं हैं, जिनमें एक अद्भुत सौंदर्य, रहस्य और सामंजस्य छिपा है। उनका अस्तित्व मानव सभ्यता और प्रकृति के बीच गहरे संतुलन की जीवित विरासत है। वन्य जीवों

की उपयोगिता, सुंदरता और पर्यावरणीय महत्व हमारी साधारण समझ से कहीं अधिक गहरे और दिव्य हैं। ये न केवल हमारे पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखते हैं,बल्कि हमें आध्यात्मिक आनंद, सौंदर्यबोध और जीवन की विविधता का अनुभव भी कराते हैं। इसलिए उनका संरक्षण केवल पारिस्थितिक आवश्यकता नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जिम्मेदारी भी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में राज्य स्तरीय वन्य जीव सप्ताह-2025का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के पर्यटक वाहन सफारी और वन विहार के 40 से अधिक पर्यटक वाहन (ई-व्हीकल्स) का लोकार्पण किया। साथ ही कार्यक्रम स्थल में भारत के वन्यजीव उनका रहवास एवं आपसी संचार विषय पर केन्द्रित फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने वन और वन्य जीवों के प्रति जन जागरूकता प्रसार में योगदान देने वाले 9 शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों एवं 1 वन्य प्राणी रेस्क्यू दल को वन्यजीव संरक्षण पुरस्कार भी प्रदान किये।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 साल- संगठन से समरसता तक छह सरसंघचालक

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी यात्रा छह सरसंघचालकों की साधना का प्रतिफल है। हेडगेवार की नींव, गुरुजी का विस्तार, देवरस की सेवा, रज्जू भैया का विदेश विस्तार, सुदर्शन का स्वदेशी आग्रह और भागवत का समरसता संदेश इसका आधार हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डाक्टर केशव बलिराम हेडगेवार इसके प्रथम सरसंघचालक थे। कोलकाता में मेडिकल की पढ़ाई के दौरान वे अनुशीलन समिति के संपर्क में आए। देश को स्वाधीन कराने की क्रांतिकारी भावनाओं से भरे उनके मन को लोकमान्य बालगंगाधर तिलक ने भी पोषित किया। वैचारिक रूप से वे तिलक के निकट थे, परंतु सैद्धांतिक रूप से महात्मा गांधी से प्रभावित। गांधी के 'सत्य और अहिंसा' से प्रेरित डा. हेडगेवार कांग्रेस से जुड़े तो सही, लेकिन महात्मा के मुसलमानों के प्रति 'अतिशय झुकाव' से शीघ्र ही उनका मोहभंग हो गया। प्रखर बुद्धि के डा. हेडगेवार ने यह तुष्टिकरण देखकर वह भविष्य भांप लिया, जो स्वाधीनता के बाद भारत में हिंदुओं का होने वाला था। हिंदुओं में संगठन की कमी और उदासीनता को देखते हुए वे उनके एकीकरण में लग गए और वर्ष 1925 में विजयदशमी के दिन उन्होंने औपचारिक रूप से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की।

पहलगाम हमले के वक्त ओवैसी होते प्रधानमंत्री तो क्या करते? खुद ही दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। असदुद्दीन ओवैसी से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूछा गया कि अगर पहलगाम हमले के वक्त वह प्रधानमंत्री होते तो हालात से कैसे निपटते। इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वह ख्वाब नहीं देखते हैं और हकीकत की बात करते हैं।

एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा, मेरे भाई, ये ख्वाब देखने का मुझे शौक नहीं है। मैं वास्तविकता से निपटता हूं और अपनी पहुंच की सीमा जानता हूं। हमारा उद्देश्य केवल सत्ता में बैठना या मंत्री बनना नहीं है।

हालांकि, उन्होंने दोनों देशों के बीच युद्धविराम का हवाला देते हुए सवाल किया कि भारत ने पाकिस्तान को जवाब देना क्यों बंद कर दिया है।

सीजफायर को लेकर उठाए सवाल- उन्होंने कहा, एक भारतीय नागरिक के तौर पर मैं कहना चाहूंगा कि पहलगाम के बाद हमारे पास कड़ी प्रतिक्रिया देने का एक अच्छा मौका था। यह क्यों रुक गया? मुझे नहीं पता, सच में, मुझे नहीं पता कि यह क्यों रुक गया...यह युद्ध जैसी स्थिति थी।

भारत बनाने जा रहा देसी 5th Gen फाइटर जेट, पाकिस्तान-चीन के लिए क्या होगी टेंशन?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की महत्वाकांक्षी स्वदेशी पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ फाइटर जेट एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट अब हकीकत की ओर बढ़ रहा है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के साथ मिलकर इस अत्याधुनिक फाइटर जेट के प्रोटोटाइप डिजाइन और विकास के लिए सात प्रमुख भारतीय कंपनियों ने बोली लगाई है।

इस मेगा प्रोजेक्ट की लागत 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है और यह 2035 तक भारतीय वायुसेना में शामिल हो सकता है। भारत इस उपलब्धि के साथ अमेरिका, चीन और रूस जैसे चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो जाएगा। यह पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट्स का संचालन करते हैं।

कौन-कौन कंपनी रेस में शामिल- लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड और अदानी डिफेंस जैसी कंपनियां इस रेस में शामिल हैं।

इनमें से दो कंपनियों को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा, जिन्हें पांच प्रोटोटाइप बनाने के लिए 15,000 करोड़ रुपये आवंटित होंगे। पूर्व ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्रमुख ए. शिवथानु पिल्लई की अगुवाई में एक समिति इन बोलियों का मूल्यांकन करेगी और अपनी रिपोर्ट रक्षा मंत्रालय को सौंपेगी। रक्षा मंत्रालय ही इसपर आखिरी मुहर लगाएगा।

AMCA भारत का पहला पांचवीं पीढ़ी का फाइटर जेट होगा। ये सिंगल-सीट, ट्विन-इंजन वाला स्टील्थ विमान होगा। इसमें अपडेटेड स्टील्थ कोटिंग्स और आंतरिक हथियार डिब्बे होंगे, जैसा कि अमेरिका के F-22, F-35 और रूस के Su-57 में देखा जाता है।

आर्थिक धोखाधड़ी और साइबर अपराध में आगे हैं ये शहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्राइम की बात आते ही देश के टॉप शहरों का नाम सबसे ऊपर आता है। मगर, क्या आप जानते हैं कि चोरी, ठगी और लूट जैसे सबसे ज्यादा अपराध किस शहर में होते हैं? नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट में इसका खुलासा है, जिसे देखकर आपको भी झटका लग सकता है।

आर्थिक धोखाधड़ी की लिस्ट में मायानगर मुंबई सबसे टॉप पर है। जी हां, मुंबई को देश की आर्थिक राजधानी कहा जाता है, लेकिन सबसे ज्यादा आर्थिक धोखाधड़ी भी इसी शहर में होती हैं। NCRB के डेटा के अनुसार, मुंबई में 2023 में 6,476 आर्थिक धोखाधड़ी के मामले दर्ज किए जा चुके हैं।

मुंबई में आर्थिक धोखाधड़ी के मामले- हालांकि, 2022 की तुलना में 2023 में मुंबई में आर्थिक धोखाधड़ी कम हुई है। 2023 में 484 अपराध कम दर्ज हुए हैं। वहीं, पुलिस ने 37.9 प्रतिशत मामलों में चार्जशीट दायर की है।

मुंबई के बाद सबसे ज्यादा आर्थिक धोखाधड़ी की सूची में हैदराबाद दूसरे नंबर पर है, जहां 5,728 मामले दर्ज हुए हैं। वहीं, वित्तीय धोखाधड़ी के मामले भी महाराष्ट्र में बढ़े हैं।

वित्तीय धोखाधड़ी के मामले- NCRB की रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में 18,729 वित्तीय धोखाधड़ी के मामले सामने आए थे, जो 2023 में बढ़कर 19,803 हो गए। मगर, वित्तीय धोखाधड़ी में राजस्थान सबसे आगे है, जहां 27,675 मामले दर्ज हुए हैं।

बिहार मतदाता सूची जारी होने पर बीजेपी का राहुल गांधी पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में विशेष गहन संशोधन के बाद निर्वाचन आयोग की ओर से अंतिम मतदाता सूची जारी किए जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता और आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने के लिए एक भी शिकायत या आपत्ति दर्ज नहीं की। उन्होंने राहुल गांधी के वोटर अधिकार यात्रा को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए इसे वोट चोरी का झूठा नैरेटिव बताया है।

दिसंबर में भारत आ सकते हैं पुतिन, पीएम मोदी से होगी बड़ी बातचीत; अमेरिका को कड़ा मैसेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 5-6 दिसंबर को भारत दौरे पर आ सकते हैं। यहां उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से होने की संभावना है। दोनों नेताओं के बीच यह शिखर वार्ता ऐसे समय में होने जा रही है जब अमेरिका ने भारत पर रूस तेल खरीदने को लेकर कड़े टैरिफ लगाए हैं।

इस उच्च स्तरीय दौरे की घोषणा पहली बार अगस्त में हुई थी जब राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल मॉस्को गए थे। हालांकि, उस समय तारीख तय नहीं हुई थी। बाद में चीन में हुए शंघाई सहयोग संगठन सम्मेलन के दौरान पुतिन और पीएम मोदी की कार में करीब एक घंटे लंबी मुलाकात हुई थी।

रूस से तेल क्यों खरीद रहा भारत- पुतिन का भारत दौरा ऐसे वक्त में सामने आ रहा है जब भारत और अमेरिका के बीच रूस से व्यापार को लेकर तनातनी बढ़ी हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने भारत के सामान पर 50त्न टैरिफ लगा दिया है। उनका कहना है कि यह कदम रूस पर दबाव बनाने के लिए है ताकि वह यूक्रेन युद्ध खत्म करे।

भारत ने तर्क दिया है कि उसने रूस से तेल इसलिए खरीदा क्योंकि परंपरागत सप्लाई यूरोप की ओर मोड़ दी गई थी। रूस के लिए तेल और ऊर्जा से होने वाली कमाई उसके बजट का बड़ा हिस्सा है। पश्चिमी देश लंबे समय से रूस की आय घटाने की कोशिश कर रहे हैं। दशकों पुराना है भारत-रूस का रिश्ता- भारत और रूस का रिश्ता दशकों पुराना है। सोवियत दौर से ही दोनों देशों के बीच मजबूत व्यापार और रक्षा सहयोग रहा है। आज भी रूस भारत का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता है। साथ ही, युद्ध शुरू होने के बाद से भारत रूस से तेल खरदने वाले बड़े देशों में शामिल हो गया है।

पुतिन का यह दौरा भारत की कूटनीतिक रणनीति के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। खासकर तब जब अमेरिका ने व्यापार दबाव बढ़ा दिया है। भारत इस मौके पर यह संदेश देना चाहता है कि उसके रूस से रिश्ते मजबूत बने रहेंगे, भले ही वॉशिंगटन से रिश्तों को संभालना एक बड़ी चुनौती क्यों न हो।

एप्पल की बढ़ी मुश्किल, यहूदी कर्मचारी ने कंपनी के खिलाफ क्यों खटखटाया अदालत का दरवाजा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में एप्पल के एक स्टोर मैनेजर की मुश्किलें बढ़ गई हैं। अमेरिकी एजेंसी ने एप्पल पर भेदभाव का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज किया है। यह मामला एप्पल के एक रिटेल स्टोर का है, जहां यहूदी कर्मचारी को छुट्टी देने से मना किया गया और बाद में नौकरी से निकाल दिया गया।

अमेरिका के वर्जीनिया में स्थित एप्पल स्टोर में काम करने वाले टायलर स्टील ने मैनेजर के खिलाफ शिकायत दर्ज की है।

टायलर का कहना है, उन्हें इजरायल पर हमास के द्वारा किए गए हमले का जिक्र करने से मना किया गया और यहूदी त्योहार सब्बाथ पर छुट्टी भी नहीं दी गई।

कोर्ट में दर्ज हुआ मुकदमा- टायलर ने संघीय न्यायालय में मुकदमा दर्ज किया है। इस केस में एप्पल पर धार्मिक भेदभाव का आरोप लगाया गया है। एप्पल के खिलाफ नागरिक अधिकार अधिनियम 1964 का उल्लंघन करने का आरोप लगा है। स्टील ने कंपनी से बकाया वेतन देने और अन्य नुकसानों की भरपाई करने की मांग की है।

समान रोजगार अवसर आयोग ने भी इस मामले पर संज्ञान लिया है। यह संस्था कार्य स्थल पर कर्मचारियों के साथ भेदभाव या अनैतिकता के खिलाफ आवाज उठाने के लिए जानी जाती है। ट्रंप ने कट्टर ईसाई मानी जाने वाली एंड्रिया लुकास को इस संस्था की कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है।

लुकास के अनुसार, पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में धार्मिक सुरक्षा पिछड़ने लगी थी।

16 साल बाद नौकरी से निकाला- जानकारी के अनुसार, स्टील 2007 से एप्पल कंपनी में काम कर रहा है। 2023 में उसने यहूदी धर्म अपना लिया था। इसी बीच एप्पल के वर्जीनिया स्थित स्टोर में एक नया मैनेजर नियुक्त किया गया।

मुझे उनके कहने का अंदाज अच्छा लगा..., मुनीर की चापलूसी से ट्रंप हुए गदगद, भारत-पाक सीजफायर का फिर मांग रहे क्रेडिट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने के अपने दावे को दोहराया है। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तानी नेतृत्व के साथ अपनी हालिया बैठक के दौरान फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने युद्ध रोककर लाखों लोगों की जान बचाने का श्रेय उन्हें दिया।

मुझे उनकी तारीफ करने का अंदाज अच्छा लगा- ट्रंप ने कहा, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री (शहबाज शरीफ) फील्ड मार्शल (मुनीर) के साथ यहां थे, जो पाकिस्तान में एक बहुत ही अहम व्यक्ति हैं। वह कुछ दिन पहले यहां (व्हाइट हाउस) आए थे। और उन्होंने लोगों के एक समूह से कहा, इस आदमी (ट्रंप) ने लाखों लोगों की जान बचाई क्योंकि उन्होंने युद्ध को जारी रहने से बचाया (रोका) वह युद्ध बहुत बुरा होने वाला था। मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा था। मुझे उनके कहने का तरीका बहुत पसंद आया। सूसी विल्स [व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ] वहां थीं। उन्होंने कहा कि यह सबसे खूबसूरत बात थी। लेकिन हमने बहुत से लोगों को बचाया।

डोनल्ड ट्रंप, राष्ट्रपति, अमेरिका- उन्होंने आगे दावा किया कि उनके प्रशासन ने व्हाइट हाउस में बिताए नौ महीनों में सात युद्ध रोके या टाले हैं। अपने प्रस्तावित गाजा शांति समझौते का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, और कल हम शायद उनमें से सबसे बड़े (गाजा युद्ध) को सुलझा लेते, हालांकि मुझे नहीं पता, पाकिस्तान और भारत बहुत बड़े थे, दोनों ही परमाणु शक्तियां थीं। मैंने उसे सुलझा लिया।

मोबाइल नेटवर्क-इंटरनेट सेवा ठप, जानें तालिबानी सरकार ने क्यों उठाया ये कदम?

नई दिल्ली (एजेंसी)। तालिबान ने अफगानिस्तान में इंटरनेट और टेलिकॉम सेवाओं को पूरी तरह से बंद कर दिया है। सोमवार को एक सरकारी आदेश के बाद देशभर में फैले फाइबर ऑप्टिक केबल को काट दिया गया है जिससे पूरा संचार ठप पड़ गया। ग्लोबल इंटरनेट निगरानी संस्था नेटबलॉक के अनुसार देशभर में इंटरनेट कनेक्टिविटी सामान्य स्तर 1 प्रतिशत से भी कम रही। कम्युनिकेशन ब्लैकआउट की वजह से बैंकिंग, ट्रेडिंग, शिक्षा, परिवहन साथ ही साथ सीमा शुल्क भी पूरी तरह से प्रभावित हुआ है।

सितंबर महीने की शुरुआत से अफगानिस्तान में इंटरनेट बैन करने की प्रतिक्रिया शुरू कर दी गई थी। सितंबर के पहले हफ्ते में तालिबानी अधिकारियों ने कई शहरों में फाइबर ऑप्टिक केबल को काटने का अभियान शुरू कर दिया था। समय के साथ ये अभियान बढ़ता चला गया। बीते 16 सितंबर को बल्ख प्रान्त के प्रवक्ता अताउल्लाह जैद ने उत्तर में फाइबर ऑप्टिक सेवाओं को काट दिया, उनका कहना था की अधिकारियों ने ये फैसला इसलिए लिया है ताकि अनैतिकता को रोका जा सके। जैद ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट में लिखा कि, ये फैसला अनैतिक गतिविधियों को रोकने के लिए लिया गया है।

बच्चों के नाम रखने के लिए 26 लाख तक लेती है यह महिला, फिर भी लगती है लोगों की लाइन!

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब तक आपने बच्चों ने नामकरण के लिए पंडित या विद्धान से सलाह लेते हुए देखा होगा। जिन्हें नामकरण संस्कार के बाद दक्षिणा स्वरूप कुछ पैसे दे दिए जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं, आजकल के अमीर मां-बाप अब बच्चे का नाम रखने के लिए प्रोफेशनल लोगों से सलाह ले रहे हैं और इसके बदले उन्हें मोटा पैसा भी दे रहे हैं। यानी बच्चों का नाम रखना अब एक शानदार पेशा बन गया है।

दरअसल, न्यूयार्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सैन फ्रांसिस्को की एक महिला जिसका नाम टेलर ए. हम्फ्री है। उसने करीब एक दशक पहले बच्चों के नाम रखने के बारे में ऑनलाइन पोस्ट करना शुरू किया। वहीं, अब हम्फ्री ने इस जुनून को व्यवसाय में बदल दिया है। वो एक बच्चे के नामकरण के लिए 30,000 डॉलर यानी 26,64,889 रुपये का फीस लेती है। उसने अब तक 500 से ज्यादा बच्चों के नामकरण में मदद की है।

जानिए कब शुरू किया यह काम- टेलर ए. हम्फ्री का कंसलटेंट फर्म सैन फ्रांसिस्को में स्थित है। साल 2020 में उनके फर्म से 100 से ज्यादा अमीर मां-बाप के बच्चों के नाम रखने में मदद की।

हाथों में हाथ डाले रोमांटिक डेट पर पत्नी संग दिखे एस्ट्रोनॉमर के पूर्व CEO, कोल्डप्ले विवाद के बाद रिश्तों में आई थी दरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन के मशहूर कोल्डप्ले कॉन्सर्ट में कंपनी की एचआर के साथ रंगे हाथों पकड़े जाने के दो महीने बाद एस्ट्रोनॉमर के पूर्व सीईओ एंडी बायरनपत्नी मेगन के साथ देखे गए। इस दौरान मेगन अपने उंगलियों में शादी की अंगूठी पहने नजर आई।

न्यू यॉर्क पोस्ट के अनुसार कपल की तस्वीरें केनेबंक स्थित स्थानीय समुद्र तट पर जाते हुए ली गईं। जहां दोनों ने ढलती शाम के साथ रोमांटिक डेट एन्जॉय किया। कुछ तस्वीरों मे दोनों हाथों में हाथ थामे नजर आये। ये तस्वीरें ऐसे समय पर सामने आई है जब कोल्डप्ले कॉन्सर्ट विवाद के बाद मेगन ने सार्वजनिक रूप से सोशल मीडिया से दूरी बना ली थी। मेगन ने अपने सभी अकाउंट से एंडी का सरनेम भी हटा लिया था। पेज सिक्स की एक रिपोर्ट की माने तो अटकले ये भी लगाई जा रहीं थी कि मेगन ने केनेबंक, मेन स्थित आलीशान मकान तक छोड़ दिया है।

क्यों चर्चा में आए एंडी ब्रायन- 51 साल के बायरन 16 जुलाई को उस समय चर्चा में आ गए जब उन्हें कोल्डप्ले कॉन्सर्ट के दौरान अपनी कंपनी की एचआर प्रमुख 52 साल की क्रिस्टिन कैबट को चूमते हुए गया। जैसे ही कैमरा उनकी ओर दिखाया गया दोनों हैरान होकर फ्रेम से दूर हो गए। ये वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद चर्चा का विषय बन गया। यूजर्स ने जमकर वीडियो को वायरल कर दिया। सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद एस्ट्रोनॉमर ने एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा की एंडी और क्रिस्टिन को फिलहाल छुट्टी पर भेज दिया गया। इस मामले में आगे की जांच की जाएगी। अगले ही एंडी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

अमेरिका में सरकारी शटडाउन, डेमोक्रेट्स-रिपब्लिकन टकराव से कामकाज ठप; ये सेवाएं हो जाएंगी बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की सरकार आधिकारिक रूप से शटडाउन हो गई है। यह फैसला तब आया जब डेमोक्रेट्स ने रिपब्लिकन पार्टी के अस्थायी फंडिंग पैकेज को खारिज कर दिया। आधी रात को सरकारी फंडिंग की अवधि खत्म होते ही सभी गैर-जरूरी कामकाज रुक गए और कैपिटल हिल में अब किसी को नहीं पता कि आगे क्या होगा।

यह 6 साल बाद पहली बार हुआ है जब अमेरिका में सरकार शटडाउन हुई है। पिछली बार 2018-19 में राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान पांच हफ्तों तक शटडाउन चला था। शटडाउन का असर सीधा लाखों कर्मचारियों पर पड़ रहा है।

गैर-जरूरी सेवाओं से जुड़े कर्मचारी अस्थायी रूप से बिना वेतन छुट्टी पर भेज दिए जाएंगे। वहीं जरूरी कामकाज करने वाले जैसे सेना के कर्मचारी बिना वेतन काम करते रहेंगे।

अमेरिकी कानून कहता है कि फंडिंग खत्म होने पर गैर-जरूरी कर्मचारियों को घर भेज दिया जाएगा, जबकि जरूरी कर्मचारी काम करते रहेंगे। जरूरी सेवाओं में अस्पताल की इमरजेंसी, सीमा सुरक्षा, पुलिस-लॉ एंड ऑर्डर और हवाई यातायात नियंत्रण जैसे काम शामिल हैं।

इन कर्मचारियों को फिलहाल वेतन नहीं मिलेगा, लेकिन शटडाउन खत्म होने के बाद भुगतान किया जाएगा। सामाजिक सुरक्षा और मेडिकेयर के चेक जारी रहेंगे, लेकिन नए कार्ड बनवाना या लाभ की जांच अस्थायी रूप से रुक सकती है।

मुझे कोरोना तो नहीं होगा, ट्रंप ने मीडिया के सामने क्यों ली अपने ही मंत्री की मौज?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप अक्सर किसी न किसी वजह से चर्चा में रहते हैं। वहीं, अब ट्रंप का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें ट्रंप अपनी सरकार के स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर की चुटकी लेते दिखाई दे रहे हैं।

यह वीडियो व्हाइट हाउस का है। मीडिया से बातचीत के दौरान ट्रंप दवाईयों के दाम कम करने की बात कर रहे थे। तभी ट्रंप के पीछे खड़े स्वास्थ्य सचिव ने अचानक छींक मार दी। कैनेडी की छींक पर ट्रंप की प्रतिक्रिया सुनने के बाद सभी जोर-जोर से हंसने लगे।

ट्रंप का वीडियो वायरल- व्हाइट हाउस में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान ट्रंप फाइजर के साथ डील की घोषणा करते हुए दवाओं को सस्ता करने का प्लान बता रहे थे। ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार ने पहले कार्यकाल में ही इंसुलिन की कीमत कम करने की कोशिश की थी। ट्रंप बोल ही रहे थे कि बीच में कैनेडी ने जोर की छींक मार दी।

कैनेडी की छींक पर रिएक्शन देते हुए ट्रंप ने कहा, भगवान तुम्हारा भला करें बॉबी। मैं उम्मीद करता हूं कि अब मुझे कोरोना नहीं होगा।

ट्रंप यहीं नहीं रुके, उन्होंने फाइजर से सीईओ अल्बर्ट बौर्ला की तरफ इशारा करते हुए कहा कि कोरोना के लक्षणों से निपटने के लिए इन्हें पैक्स्लोविड (कोरोना वैक्सीन) लगवालेनी चाहिए।

कैसे जारी होता है स्मारक सिक्का और डाक टिकट? कहां से और कैसे खरीदें

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी समारोह के मौके पर स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी किया है। आजादी के इतिहास में पहली बार है जब संघ के लिए डाक टिकट और सिक्का जारी किया गया है।

दिल्ली के डॉय अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में ऋस्स् के शताब्दी समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें पीएम मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान पीएम मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को खास सौगात दी।

कैसे जारी होता है सिक्का और डाक टिकट- क्या आप जानतें हैं कि सरकार द्वारा जो स्मारक डाक टिकट और सिक्के जारी किए जाते हैं, उनको कहां से और कैसे खरीदा जा सकता है। पूरी प्रक्रिया क्या है?

कैसे जारी होता है डाक टिकट- भारत में किसी के नाम पर डाक टिकट और सिक्का जारी करने की दो अलग-अलग प्रक्रियाएं होती हैं, जो मुख्य रूप से सरकार द्वारा नियंत्रित होती हैं। डाक टिकट आम तौर पर डाक विभाग द्वारा जारी किए जाते हैं, वहीं सिक्के भी सरकार के अधीन संस्था ही जारी करती है। लेकिन इसके लिए विशेष प्रक्रिया होती है।

सबसे पहले बात डाक टिकट के बारे में करते हैं कि आखिर किसी व्यक्ति विशेष के नाम पर डाक टिकट कैसे जारी होता है? तो किसी व्यक्ति के नाम से डाक टिकट जारी करने के लिए आमतौर पर एक स्मारक डाक टिकट ही जारी किया जाता है। इसके लिए सरकार या डाक विभाग को एक प्रस्ताव बनाकर भेजा जाता है, इसमें उस व्यक्ति के बारे में जानकारी दी जाती है, जिसमें उस व्यक्ति के बारे में डाक टिकट जारी करना है।

प्रस्ताव में सबसे पहले व्यक्ति का नाम, उसका महत्व और इस बात का उल्लेख होना भी जरूरी है कि क्या इस व्यक्ति पर पहले भी कोई डाक टिकट जारी हुआ है या फिर नहीं।

गुजरात की कोर्ट से अलकायदा के तीन आतंकियों को उम्रकैद, संगठन में करते थे युवाओं की भर्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद एटीएस ने दो साल पहले राजकोट के सोनी बाजार से 3 युवकों को गिरफ्तार किया था। उनपर आतंकी गतिविधियों में सम्मिलित होने का आरोप था। तीनों के तार आतंकी संगठन अल-कायदा से जुड़े थे और उनके राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में भी शामिल होने के संकेत मिले थे। वहीं, अब कोर्ट ने तीनों को उम्रकैद की सजा सुनाई है।

अहमदाबाद एटीएस का शक अदालत में सच साबित हुआ। राजकोट की स्थानीय आदालत ने तीनों आरोपियों को उम्रकैद की सजा दी है। तीनों युवक मूल रूप से पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं।

पुलिस को मिले सबूत- 2 साल पहले गुजरात एटीएस को खुफिया जानकारी के आधार पर पता चला था कि पश्चिम बंगाल के तीन युवक राजकोट की सोनी बाजार में मौजूद हैं। तीनों मजदूरी की आड़ में खूंखार आतंकी संगठन अल-कायदा का प्रचार कर रहे थे। सूचना मिलते ही एटीएस ने 31 जुलाई 2023 को सोनी बाजार में छापेमारी की और राजकोट रेलवे स्टेशन से तीनों को गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपियों की पहचान अमन सिराज मलिक, अब्दुल शकुल अली शेख और शफनवाज अबुशाहिद के रूप में हुई।

बंगाली मुसलमान भी हिन्दू हैं, तस्लीमा नसरीन के तर्क पर क्या बोले दिग्गज गीतकार जावेद अख्तर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर गीतकार और स्क्रीनप्ले राइटर जावेद अख्तर ने निर्वासित बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन को सोशल मीडिया पर जमकर खरी-खरी सुनाई है।

दरअसल पूरा मामला नसरीन की एक दुर्गा पूजा पोस्ट से जुड़ा है। इस पोस्ट पर जावेद साहेब खुद अपनी बेबाक राय रखने से को रोक नहीं पाए। लगे हाथों उन्होंने तस्लीमा को गंगा-जमुनी तहजीब भी याद दिला डाली।

एक सोशल मीडिया पोस्ट में लेखिका ने कहा था कि, हिन्दू संस्कृति ही वास्तव में बंगाली संस्कृति का आधार है।

जिसमे बंगाली मुसलमान भी शामिल हैं। इस पोस्ट पर जवाब देते हुए जावेद अख्तर ने लिखा कि, हमें गंगा जमनी अवध संस्कृतिकी भी सराहना करनी चाहिए।गंगा जमनी अवध संस्कृति, जिसे अक्सर गंगा-जमुनी तहजीब के रूप में जाना जाता है।

पहले की गरबा रोकने की कोशिश फिर फेंकने लगे अंडे, ठाणे में बिगड़ा माहौल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में इन दिनों गरबा महोत्सव की धूम देखने को मिल रही है। कई जगहों पर गरबा पंडालों में गैर हिंदूओं की एंट्री बैन है। वहीं, इन सबके बीच महाराष्ट्र के ठाणे में गरबा महोत्सव के दौरान माहौल खराब करने की कोशिश की गई है। जहां मीरा रोड इलाके के काशीगांव स्थित हाउसिंग सोसाइटी परिसर में गरबा चल रहा था। इसी दौरान एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अंडा फेंक दिया। इस घटना के दौरान नागरिकों में जबरदस्त आक्रोश देखने को मिला।

दरअसल, पूरा मामला 30 सितंबर की रात का है। जब ठाणे स्थित एक हाउसिंग सोसाइटी में गरबा समारोह चल रहा था। इस दौरान कथित दौर पर एक व्यक्ति ने रात करीब 10:30 से 11 बजे के बीच ऊपरी मंजिल से अंडे फेंके। जिसके बाद लोग भड़क गए और पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी।

एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक, यह घटना मंगलवार रात 10:30 से 11 बजे के बीच की हुई, जब मीरा रोड इलाके के काशीगांव स्थित हाउसिंग सोसाइटी परिसर में गरबा चल रहा था, तभी एक व्यक्ति ने कथित तौर पर नीचे अंडे फेंके दिए। उन्होंने यह भी बताया कि घटना से पहले इस कार्यक्रम को रोकने की भी कोशिश की गई थी।

कार्यक्रम रोकने के लिए पुलिस को किया फोन- इस घटना से कुछ समय पहले एक संदिग्ध व्यक्ति को परिसर में देखा गया। जो अपने मोबाइल फोन से गरबा वीडियो बना रहा था। अधिकारियों के मुताबिक, उसने शोर और चिंता का हवाले देते हुए कार्यक्रम को रोकने की कोशिश की और इसके लिए कई बार पुलिस को फोन भी किया था। सोसाइटी में रहने वाले कुछ लोगों ने संदिग्ध व्यक्ति को 16वीं मंजिल से कथित तौर पर अंडा फेंकते हुए देखा और वहां मौजूद दो महिला पुलिसकर्मियों के पास टूटा हुआ अंडा भी पाया।

शिक्षकों के लिए TET की अनिवार्यता के आदेश पर SC से पुनर्विचार का अनुरोध, याचिका की दाखिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीईटी की अनिवार्यता के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ शिक्षकों ने कानूनी लड़ाई का मन बनाया है। सरकार के छोर पर राहत का दबाव बनाने के साथ ही शिक्षकों ने सुप्रीम कोर्ट में भी पुनर्विचार याचिका दाखिल कर दी है।

अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल कर कोर्ट से गत एक सितंबर के टीईटी की अनिवार्यता के आदेश पर पुनर्विचार करने की गुहार लगाई है। शिक्षक संघ के अलावा उत्तर प्रदेश सरकार और तमिलनाडु सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिकाएं दाखिल की हैं।

सरकार ने क्या कहा- सरकार का भी यही कहना है कि टीईटी की अनिवार्यता उन्हीं शिक्षकों पर लागू होती है जिनकी नियुक्ति आरटीई कानून लागू होने के बाद हुई है। यह अनिवार्यता उन शिक्षकों पर लागू नहीं होती जिनकी नियुक्ति इस कानून के लागू होने के पहले नियम कानूनों के तहत हुई है।

सुप्रीम कोर्ट ने गत एक सितंबर को आदेश दिया था जिसमें कक्षा एक से आठ तक को पढ़ाने वाले सभी शिक्षकों, जिनकी नौकरी पांच वर्ष से ज्यादा बची है, दो वर्ष के भीतर टीईटी पास करना अनिवार्य है। यहां तक कि जिनकी नौकरी पांच वर्ष से कम बची है उन्हें भी अगर प्रोन्नति पानी है तो टीईटी पास करना अनिवार्य है।

आदेश से मचा हड़कंप- कोर्ट के इस आदेश से पूरे देश में प्राथमिक और जूनियर कक्षाओं को पढ़ाने वाले पुरानी नियुक्ति के शिक्षकों में हड़कंप मचा है क्योंकि आदेश का सबसे ज्यादा असर उन लोगों पर हो रहा है जिनकी नियुक्ति आरटीई कानून लागू होने से पहले यानी 2010 से पहले हुई है।

एक्टर विजय का सभी कार्यक्रम रद करने का एलान, भगदड़ में 41 लोगों की मौत के बाद लिया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के करूर में हुई भगदड़ के दौरान 41 लोगों की मौत हो गई। यह भगदड़ अभिनेता से राजनेता बने विजय के कार्यक्रम के दौरान करूर में हुआ। घटना के बाद से लोगों में आक्रोश देखने को मिल रहा है। वहीं, विजय की पार्टी टीवीके ने दो सप्ताह के लिए सभी दौरे को स्थगित कर दिया है।

अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके ने इसकी जानकारी अपने आधिकारिक एक्स हैंडल के जरिए दी है। टीवीके ने एक्स पर इसकी जानकारी साझा करते हुए लिखा, इस स्थिति में, जहां हम अपने प्रियजनों के निधन से दुःखी और व्यथित हैं, हमारे पार्टी के अध्यक्ष का अगले दो सप्ताह के लिए जनसभा कार्यक्रम अस्थायी रूप से स्थगित किया जा रहा है। हम अपने पार्टी नेता की अनुमति से सूचित करते हैं। जनसभा से संबंधित नई जानकारी बाद में दी जाएगी, जो पार्टी अध्यक्ष की स्वीकृति से घोषित की जाएगी।

करूर में जनसभा के दौरान हुई भगदड़- गौरतलब है कि बीते दिनों तमिलनाडु के करूर में अभिनेता विजय की जनसभा थी। इस दौरान वहां बड़ी संख्या में भीड़ एकत्रित हो गई। जनसभा में विजय काफी देर से पहुंचे। विजय जैसे ही वहां आए, उनकी एक झलक पाने के लिए भीड़ आगे बढ़ी। इस दौरान पहले धक्का-मुक्की की स्थिति बनी, जो बाद में भगदड़ में बदल गई। इस घटना में 41 लोगों की मौत हो गई। जिसको लेकर अब राजनीति भी शुरू हो गई।

पीड़ितों से मिलेंगे विजय- वहीं, इस घटना पर विजय ने गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा %मैंने अपने जीवन में कभी इतनी दर्दनाक स्थिति का सामना नहीं किया। मैंने घटना के बाद करूर का दौरा नहीं किया, क्योंकि इससे असामान्य स्थिति उत्पन्न होती। उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी करते हुए कहा मैं जल्द ही पीड़ितों और घायलों के परिवारों से मिलूंगा। उन्होंने प्रत्येक परिवार के लिए 20 लाख रुपये की राहत राशि की घोषणा की थी।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
जागरयाम
info@jagrayam.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल दशमी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

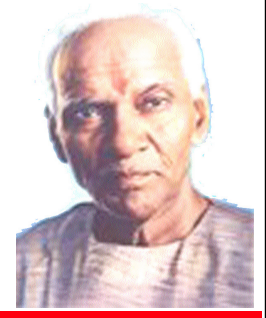

संपादकीय

भारत एक ऐसा देश है जिसकी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा हजारों वर्षों से दुनियाँ को राह दिखाती रही है

वैश्विक स्तरपर भारत एक ऐसा देश है जिसकी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा हजारों वर्षों से दुनियाँ को राह दिखाती रही है। यहां के पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं होते, बल्कि उनमें जीवन-दर्शन, नैतिकता और सामाजिक संदेश भी निहित होते हैं। वर्ष 2025 में ऐसा ही एक ऐतिहासिक अवसर सामने आ रहा है। 2 अक्टूबर 2025 को महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री जयंती और विजयादशमी (दशहरा) एक साथ मनाई जाएगी। गांधीव शास्त्री जयंती हर साल 2 अक्टूबर को निश्चित रूप से आती है, जबकि विजयादशमी हिंदू चंद्र कैलेंडर के अनुसार बदलती रहती है,किंतु मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस बार दोनों का एक साथ पड़ना भारतीय समाज और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को एक गहरी प्रेरणा देता है।यह केवल तिथियों का मेल नहीं है,बल्कि मूल्यों का संगम है।गांधी जयंती सत्य,अहिंसा और नैतिकता का प्रतीक है,जबकि विजयादशमी अच्छाई की बुराई पर जीत का स्मरण कराती है। साथियों बात अगर हम महात्मा गांधी लाल बहादुर शास्त्री जयंती के महत्व को समझने की करें तो,महात्मा गांधी का नाम भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में शांति,अहिंसा और सत्य के प्रतीक के रूप में लिया जाता है। 2 अक्टूबर 1869 को पोरबंदर (गुजरात)में जन्मे मोहनदास करमचंद गांधी ने अपने जीवन को साधारण वस्त्र,सरल जीवनशैली और उच्च आदर्शों के लिए समर्पित कर दिया।उनका सत्याग्रह और असहयोग आंदोलन भारत की आज़ादी के लिए मील का पत्थर साबित हुआ।उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य की सबसे बड़ी ताकत को बिना हिंसा और हथियार के चुनौती दी और यह सिद्ध कर दिया कि अहिंसा ही सबसे बड़ी शक्ति है।गांधीजी का योगदान केवल भारत की स्वतंत्रता तक सीमित नहीं रहा। उनका प्रभाव विश्वभर में पड़ा। मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने अमेरिका में नागरिक अधिकार आंदोलन के लिए गांधी के अहिंसात्मक तरीकों को अपनाया नेल्सन मंडेला ने रंगभेद के खिलाफ संघर्ष में गांधी की शिक्षाओं को प्रेरणा बनाया।संयुक्त राष्ट्र ने भी 2 अक्टूबर को ÷इंटरनेशनल डे ऑफ़ नॉन- वाओलेंस÷ घोषित कर गांधी के विचारों की वैश्विक मान्यता को स्वीकार किया।इस दृष्टि से 2 अक्टूबर न केवल भारत के लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक प्रेरणादायक दिन है,लाल बहादुर शास्त्री जयंती का महत्व 2 अक्टूबर 1904 को जन्मे लाल बहादुर शास्त्री भारतीय राजनीति के ऐसे आदर्श नेता थे, जिन्होंने अपनी सादगी, ईमानदारी और राष्ट्रभक्ति से देशवासियों के दिलों में अमिट स्थान बना लिया। वे भारत के दूसरे प्रधानमंत्री बने और अपने छोटे से कार्यकाल में उन्होंने देश को कठिन परिस्थितियों में संभालने का काम किया। शास्त्रीजी का जीवन बेहद सरल था। वे मानते थे कि नेता का आचरण उसके शब्दों से अधिक प्रभावी होना चाहिए।1965 के भारत-पाक युद्ध में शास्त्रीजी का नेतृत्व ऐतिहासिक रहा। उन्होंने पूरे देश को ÷जय जवान,जय किसान÷का नारा दिया,जिसने देश की एकता और आत्मनिर्भरता को मजबूती दी। यह नारा आज भी भारत की रीढ़,सेना और किसान, की अहमियतको दर्शाता है।शास्त्रीजी का योगदान यह साबित करता है कि नेतृत्व केवल बड़े भाषणों से नहीं, बल्कि सादगी और कर्मनिष्ठा से भी किया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम विजयादशमी (दशहरा) का सांस्कृतिक महत्व को समझने की करें तो,विजयादशमी भारत का एक प्रमुख त्योहार है, जो हर वर्ष आश्विन मास की दशमी तिथि को मनाया जाता है। यह त्योहार अच्छाई की बुराई पर विजय का प्रतीक है।

महात्मा गाँधी

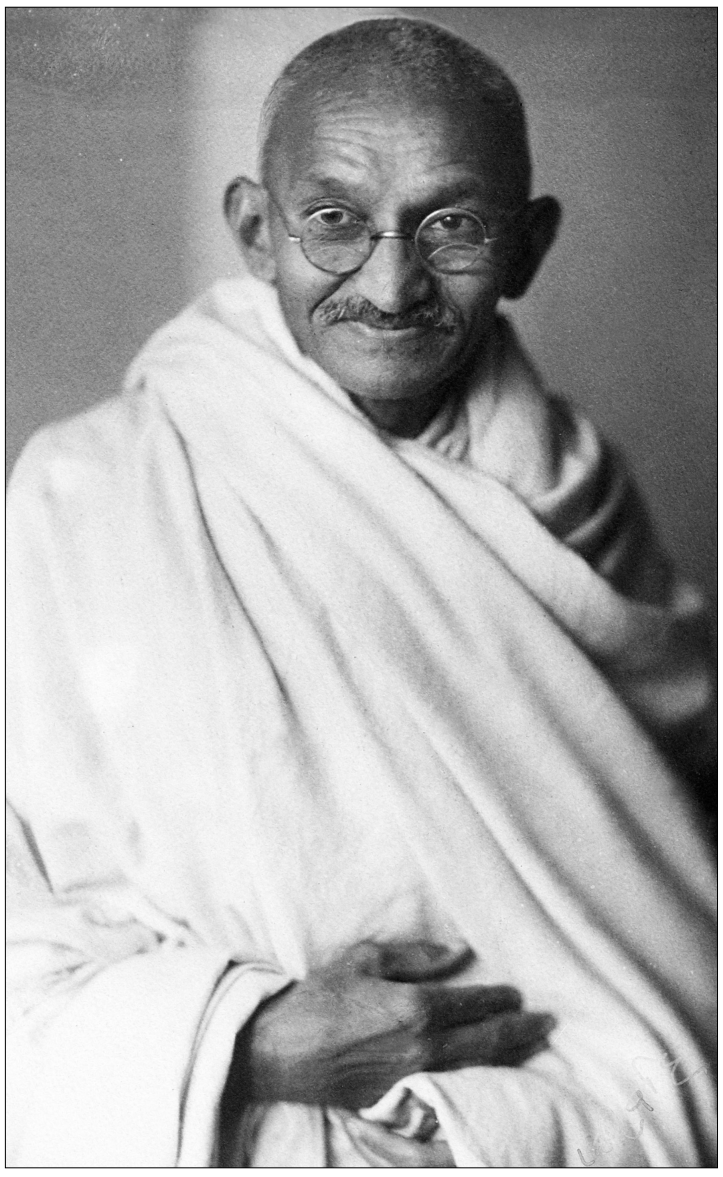

महात्मा गाँधी को ब्रिटिश शासन के ख़िलाफ़ भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का नेता और राष्ट्रपिता माना जाता है। इनका पूरा नाम मोहनदास करमचंद गाँधी था। राजनीतिक और सामाजिक प्रगति की प्राप्ति हेतु अपने अहिंसक विरोध के सिद्धांत के लिए उन्हें अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त हुई। मोहनदास करमचंद गाँधी भारत एवं भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के एक प्रमुख राजनीतिक एवं आध्यात्मिक नेता थे। साबरमती आश्रम से उनका अटूट रिश्ता था। इस आश्रम से महात्मा गाँधी आजीवन जुड़े रहे, इसीलिए उन्हें साबरमती का संत की उपाधि भी मिली।

जीवन परिचय

महात्मा गाँधी का जन्म 2 अक्तूबर 1869 ई. को गुजरात के पोरबंदर नामक स्थान पर हुआ था। उनके माता-पिता कट्टर हिन्दू थे। इनके पिता का नाम करमचंद गाँधी था। मोहनदास की माता का नाम पुतलीबाई था जो करमचंद गाँधी जी की चौथी पत्नी थीं। मोहनदास अपने पिता की चौथी पत्नी की अन्तिम संतान थे। उनके पिता करमचंद (कबा गाँधी) पहले ब्रिटिश शासन के तहत पश्चिमी भारत के गुजरात राज्य में एक छोटी-सी रियासत की राजधानी पोरबंदर के दीवान थे और बाद में क्रमशः राजकोट (काठियावाड़) और वांकानेर में दीवान रहे। करमचंद गाँधी ने बहुत अधिक औपचारिक शिक्षा तो प्राप्त नहीं की थी, लेकिन वह एक कुशल प्रशासक थे और उन्हें सनकी राजकुमारों, उनकी दुःखी प्रजा तथा सत्तासीन कट्टर ब्रिटिश राजनीतिक अधिकारियों के बीच अपना रास्ता निकालना आता था।

पुस्तक माई एक्सपेरिमेंट विथ ट्रुथ के लेखक महात्मा गाँधी थे। उन्होंने इस पुस्तक को सत्य के प्रयोग के नाम से मूल रूप से अपनी मातृभाषा गुजराती में लिखा था। यह गांधीजी की आत्मकथा के रूप में प्रसिद्ध है। इस पुस्तक का अनुवाद महादेव देसाई ने अंग्रेज़ी में किया था। गांधीजी ने इस किताब में अपने जन्म से लेकर 1921 तक की घटनाओं का जिक्र किया है। बाद में इन सारी घटनाओं को गांधीजी के अखबार नवजीवन में 1925 से 1929 के बीच प्रकाशित किया गया।

शिक्षा

1887 में मोहनदास ने जैसे-तैसे बंबई यूनिवर्सिटी की मैट्रिक की परीक्षा पास की और भावनगर स्थित सामलदास कॉलेज में दाख़िला लिया। अचानक गुजराती से अंग्रेज़ी भाषा में जाने से उन्हें व्याख्यानों को समझने में कुछ दिक्कत होने लगी। इस बीच उनके परिवार में उनके भविष्य को लेकर चर्चा चल रही थी। अगर निर्णय उन पर छोड़ा जाता, तो वह डॉक्टर बनना चाहते थे। लेकिन वैष्णव परिवार में चीरफ़ाड़ के ख़िलाफ़ पूर्वाग्रह के अलावा यह भी स्पष्ट था कि यदि उन्हें गुजरात के किसी राजघराने में उच्च पद प्राप्त करने की पारिवारिक परम्परा निभानी है, तो उन्हें बैरिस्टर बनना पड़ेगा। इसका अर्थ था इंग्लैंड यात्रा और गाँधी ने, जिनका सामलदास कॉलेज में ख़ास मन नहीं लग रहा था, इस प्रस्ताव को सहर्ष ही स्वीकार कर लिया। उनके युवा मन में इंग्लैंड की छवि दार्शनिकों और कवियों की भूमि, सम्पूर्ण सभ्यता के केन्द्र के रूप में थी। सितंबर 1888 में वह पानी के जहाज़ पर सवार हुए। वहाँ पहुँचने के 10 दिन बाद वह लंदन के चार क़ानून महाविद्यालय में से एक इनर टेंपल में दाख़िल हो गए।

अफ़्रीका में गाँधी

डरबन न्यायालय में यूरोपीय मजिस्ट्रेट ने उन्हें पगड़ी उतारने के लिए कहा, उन्होंने इन्कार कर दिया और न्यायालय से बाहर चले गए। कुछ दिनों के बाद प्रिटोरिया जाते समय उन्हें रेलवे के प्रथम श्रेणी के डिब्बे से बाहर फेंक दिया गया और उन्होंने स्टेशन पर ठिठुरते हुए रात बिताई। यात्रा के अगले चरण में उन्हें एक घोड़ागाड़ी के चालक से पिटना पड़ा, क्योंकि यूरोपीय यात्री को जगह देकर पायदान पर यात्रा करने से उन्होंने इन्कार कर दिया था, और अन्ततः सिर्फ़ यूरोपीय लोगों के लिए सुरक्षित होटलों में उनके जाने पर रोक लगा दी गई। नटाल में भारतीय व्यापारियों और श्रमिकों के लिए ये अपमान दैनिक जीवन का हिस्सा था। जो नया था, वह गाँधी का अनुभव न होकर उनकी प्रतिक्रिया थी। अब तक वह हठधर्मिता और उग्रता के पक्ष में नहीं थे, लेकिन जब उन्हें अनपेक्षित अपमानों से गुज़रना पड़ा, तो उनमें कुछ बदलाव आया।

सत्याग्रह

1906 में टांसवाल सरकार ने दक्षिण अफ़्रीका की भारतीय जनता के पंजीकरण के लिए विशेष रूप से अपमानजनक अध्यादेश जारी किया। भारतीयों ने सितंबर 1906 में जोहेन्सबर्ग में गाँधी के नेतृत्व में एक विरोध जनसभा का आयोजन किया और इस अध्यादेश के उल्लंघन तथा इसके परिणामस्वरूप दंड भुगतने की शपथ ली। इस प्रकार सत्याग्रह का जन्म हुआ, जो वेदना पहुँचाने के बजाय उन्हें झेलने, विद्वेषहीन प्रतिरोध करने और बिना हिंसा के उससे लड़ने की नई तकनीक थी।

धार्मिक खोज

गाँधी जी की धार्मिक खोज उनकी माता, पोरबंदर तथा राजकोट स्थित घर के प्रभाव से बचपन में ही शुरू हो गई थी। लेकिन दक्षिण अफ़्रीका पहुँचने पर इसे काफ़ी बल मिला। वह ईसाई धर्म पर टॉल्सटाय के लेखन पर मुग्ध थे। उन्होंने क़ुरान के अनुवाद का अध्ययन किया और हिन्दू अभिलेखों तथा दर्शन में डुबकियाँ लगाईं। सापेक्षिक कर्म के अध्ययन, विद्वानों के साथ बातचीत और धर्मशास्त्रीय कृतियों के निजी अध्ययन से वह इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि सभी धर्म सत्य हैं और फिर भी हर एक धर्म अपूर्ण है। क्योंकि कभी-कभी उनकी व्याख्या स्तरहीन बुद्धि संकीर्ण हृदय से की गई है और अक्सर दुर्व्याख्या हुई है। भगवदगीता, जिसका गाँधी ने पहली बार इंग्लैंड में अध्ययन किया था, उनका आध्यात्मिक शब्दकोश बन गया और सम्भवतः उनके जीवन पर इसी का सबसे अधिक प्रभाव पड़ा। गीता में उल्लिखित संस्कृत के दो शब्दों ने उन्हें सबसे ज़्यादा आकर्षित किया। एक था अपरिग्रह (त्याग), जिसका अर्थ है, मनुष्य को अपने आध्यात्मिक जीवन को बाधित करने वाली भौतिक वस्तुओं का त्याग कर देना चाहिए और उसे धन-सम्पत्ति के बंधनों से मुक्त हो जाना चाहिए। दूसरा शब्द है समभाव (समान भाव), जिसने उन्हें दुःख या सुख, जीत या हार, सबमें अडिग रहना तथा सफलता की आशा या असफलता के भय के बिना काम करना सिखाया।

हिन्द स्वराज

हिन्द स्वराज महात्मा गाँधी द्वारा रचित पुस्तक है। मूल रचना सन 1909 में गुजराती में थी।

यह लगभग तीस हजार शब्दों की लघु पुस्तिका है, जिसे गाँधीजी ने अपनी इंग्लैण्ड से दक्षिण अफ्रीका की यात्रा के समय पानी के जहाज़ में लिखा। यह इण्डियन ओपिनिअन में सबसे पहले प्रकाशित हुई थी, जिसे भारत में अंग्रेज़ों ने यह कहते हुए प्रतिबन्धित कर दिया था कि इसमें राजद्रोह-घोषित सामग्री है।

इस पर गांधीजी ने इसका अंग्रेज़ी अनुवाद भी निकाला ताकि बताया जा सके कि इसकी सामग्री राजद्रोहात्मक नहीं है। अन्ततः 21 दिसम्बर सन 1938 को इससे प्रतिबन्ध हटा लिया गया। हिन्द स्वराज का हिंदी और संस्कृत सहित कई भाषाओं में अनुवाद उपलब्ध है।

15 साल तक हर महीने 7000 रुपये की एसआईपी से कितना बनेगा फंड, देखें पूरा गुणा-गणित

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यूचुअल फंड अपने आकर्षक रिटर्न के चलते निवेशकों के बीच काफी चर्चा में हैं। हर कोई बेहतर रिटर्न के लिए आज इसमें निवेश करना चाहता है। म्यूचुअल फंड में न्यूनतम रिटर्न 12 से 14 फीसदी है। हालांकि ये रिटर्न बाजार के उतार-चढ़ाव पर भी निर्भर करता है।

म्यूचुअल फंड में अक्सर लोग निवेश के लिए एसआईपी का ही चयन करते हैं। आज हम जानेंगे कि 5 साल तक हर महीने 7000 रुपये की एसआईपी कितना फंड बनकर तैयार होगा।

म्यूचुअल फंड में निवेश कर हमें कितना रिटर्न मिलेगा, ये हम एसआईपी कैलकुलेशन की मदद से आसानी से समझ सकते हैं। अगर कोई निवेशक 15 साल तक हर महीने 7000 रुपये की एसआईपी करता है, तो उसे 35,32,000 रुपये मिलेंगे। इन 15 सालों में आपका मूलधन 12,60,000 रुपये का होगा।

अगर आप पहली बार म्यूचुअल फंड में निवेश कर रहे हैं, तो नीचे दी गई जानकारी आपके काम आ सकती है। आज हमारे एक्सपर्ट बताएंगे कि पहली बार निवेश करने पर आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। नीचे दिए गए सुझाव टाटा एसेट मैनेजमेंट की प्रमुख उत्पाद, शैली गैंग द्वारा दिए गए है।

निवेश के पीछे न भागे- शैली गैंग द्वारा निवेशकों को ये सुझाव दिया है कि उन्हें रिटर्न के पीछे नहीं भागना चाहिए। बल्कि सही एसेट एलोकेशन पर बने रहना चाहिए। अक्सर निवेशक उन एसेट क्लास में निवेश करते हैं, जिन्होंने हाल ही में बेहतर प्रदर्शन किया हो। हालांकि अच्छे रिटर्न के पीछे भागने से आपके पोर्टफोलियो को नुकसान पहुंचता है।

एक अच्छा पोर्टफोलियो वहीं होगा, जिसमें कुछ फंड अच्छा प्रदर्शन कर रिटर्न बढ़ाए और कुछ स्थिर रिटर्न देकर पोर्टफोलियो को कम जोखिम वाला बनाए।

अपने फंड के हिसाब से निवेश अवधि चुने- म्यूचुअल फंड के जरिए आप अलग-अलग फंड में निवेश कर सकते हैं। ये अलग-अलग फंड अलग-अलग अवधि पर अच्छा रिटर्न दे सकते हैं। क्योंकि इन सभी का स्वभाव अलग होता है।

दिवाली से पहले केंद्रीय कर्मचारियों की हुई बल्ले-बल्ले

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को दिवाली से पहले बड़ा तोहफा दिया है। केंद्रीय मंत्रीमंडल ने कर्मचारियों को 3 फीसदी महंगाई भत्ते की मंजूरी दी। अब कुल डीए बढ़कर 55 से 58 फीसदी हो गया है। इस निर्णय से लगभग 1.15 करोड़ केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को फायदा होगा। डीए में 3 फीसदी की बढ़त से सरकार पर सालाना 10,084 करोड़ रुपये का बोझ बढ़ेगा।

गौरतलब है कि महंगाई और डीआर वेतन और पेंशन के बेहद अहम हिस्से हैं। चूंकि सरकार साल में दो बार - जनवरी और जुलाई में - इन भत्तों में संशोधन करती है, इसलिए ये सरकारी कर्मचारी जुलाई से ही बेसब्री से इसका इंतजार कर रहे थे। अब जाकर सरकार ने दिवाली से कुछ दिनों पहले ही इसका तोहफा दिया है।

यह वृद्धि 1 जुलाई, 2025 से पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू होगा, जिसका अर्थ है कि पिछले तीन महीनों का बकाया अक्टूबर के वेतन के साथ जमा किया जाएगा। लगभग 48 लाख कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनभोगियों के लिए, यह एक सुखद खबर है, खासकर त्योहारों के मौसम में घरेलू बजट के तंग होने के कारण। इसके साथ ही, यह दर मूल वेतन और पेंशन के 55 प्रतिशत से बढ़कर 58 प्रतिशत हो गई। यह बढ़ोतरी 1 जुलाई, 2025 से पूर्वव्यापी रूप से लागू होगी।

लगातार 8 दिन गिरने के बाद संभला शेयर बाजार, आरबीआई पॉलिसी से मिला जोरदार सपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार में 1 अक्टूबर को आरबीआई की नीतिगत घोषणा के बाद शानदार तेजी दर्ज की गयी। निफ्टी 24800 के लेवल को पार करते हुए 24,850 के आसपास रहा। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 715.69 अंक या 0.89 प्रतिशत बढ़कर 80,983.31 पर और निफ्टी 225.20 अंक या 0.92 प्रतिशत बढ़कर 24,836.30 पर बंद हुआ।

आज लगभग 2672 शेयरों में तेजी, 1284 शेयरों में गिरावट और 132 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

कौन से सेक्टर में आई सबसे अधिक तेजी- पीएसयू बैंक को छोड़कर, अन्य सभी सेक्टर बढ़त के साथ बंद हुए। इनमें प्राइवेट बैंक, रियल्टी, फार्मा, आईटी और मीडिया शेयरों में 1-4 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। टाटा मोटर्स, श्रीराम फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट, सन फार्मा निफ्टी पर सबसे ज्यादा तेजी वाले शेयरों में रहे, जबकि बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट और बजाज ऑटो नुकसान में रहे।

बीएसई मिडकैप इंडेक्स में 0.9 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स में 1त्न की बढ़ोतरी हुई।

क्या रही तेजी की वजह- आरबीआई गवर्नर ने एमपीसी के फैसलों पर जानकारी देते हुए बताया कि रेपो रेट को 5.5 फीसदी पर बरकरार रखा गया है, जबकि मौद्रिक नीति रुख को न्यूट्रल बनाए रखने का एलान किया गया। इसके बाद शेयर बाजार में तेजी आई।

इससे पहले शेयर बाजार लगातार आठ दिन से गिर रहा था।

इन फैक्टर्स से भी मिला शेयर बाजार को सहारा- आरबीआई एमपीसी के बाद बैंक निफ्टी और फाइनेंशियल सर्विस इंडेक्स में शानदार खरीदारी हुई, जिससे ये इंडेक्स उछले

इमरजेंसी से 6 साल पहले भारत के नोट पर आए थे महात्मा गांधी, फिर 27 साल बाद लगी परमानेंट मुहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के करेंसी नोटों पर महात्मा गांधी की फोटो होती है। मगर क्या आप जानते हैं कि देश की आजादी के फौरन बाद ही गांधी जी की फोटो करेंसी नोटों पर छपनी शुरू नहीं हुई थी। बल्कि गांधी जी की तस्वीर को पहले तो तत्कालीन स्वतंत्र भारत की करेंसी के चेहरे के रूप में अस्वीकार कर दिया गया था। साथ ही नोटों के लिए सारनाथ स्थित सिंह स्तंभ को चुना गया।

गांधी जी की फोटो करेंसी नोटों पर न लगाने का फैसला तब हुआ जब दुनिया भर के कई देशों ने अपने फाउंडिंग फादर्स की तस्वीरें अपने करेंसी नोटों पर लगाकर उन्हें सम्मान दे दिया था। इनमें अमेरिका में जॉर्ज वाशिंगटन शामिल हैं। फिर कब गांधी जी की फोटो करेंसी नोटों पर आई, आइए आपको बताते हैं।

हीराकुंड बांध और आर्यभट्ट सैटेलाइट- 15 अगस्त 1947 को औपनिवेशिक शासन से भारत को स्वतंत्रता मिली। मगर भारत 26 जनवरी 1950 को गणतंत्र बना। वहीं पहला 1 रुपए का नोट 1949 में जारी किया गया।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की वेबसाइट के अनुसार 1950 और 60 के दशक में जो भारतीय नोट जारी किए जाते थे, उन पर बाघ और हिरण जैसे राजसी जानवरों, हीराकुंड बांध और आर्यभट्ट सैटेलाइट जैसे इंडस्ट्रियल प्रोग्रेस के प्रतीक और बृहदेश्वर मंदिर की तस्वीरें छपी होती थीं।

पहली बार कब छपी गांधी जी की तस्वीर- गांधीजी का फोटो पहली बार 1969 में उनकी जन्म शताब्दी के अवसर पर किसी करेंसी नोट पर छापा गया था।

GST Collection में उछाल, सितंबर में सरकारी खजाने में आए 1.89 लाख करोड़, इन राज्यों का योगदान सबसे ज्यादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जीएसटी दरों में बड़ी कटौती के बाद अब सितंबर जीएसटी कलेक्शन (त्रस्ज्ञ ष्टशद्यद्यद्गष्ह्लद्बशठ्ठ स्द्गश्च 2025) के आंकड़े आ गए हैं। सरकार की ओर से जारी डेटा के अनुसार, सितंबर में जीएसटी संग्रह बढ़कर 1.89 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 9.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। अगस्त में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में यह वृद्धि चार महीनों में सबसे तेज़ है। सितंबर में भी उच्च प्रवाह का सिलसिला जारी रहा, जिससे यह लगातार नौवां महीना रहा जब राजस्व 1.8 लाख करोड़ रुपये के स्तर से ऊपर रहा।

दूसरी तिमाही में कर संग्रह 5.71 लाख करोड़ रुपये रहा जो पिछली तिमाही में 11.7 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में मात्र 7.7 प्रतिशत अधिक है।

इन राज्यों से आया सबसे बड़ा कलेक्शन- जीएसटी कलेक्शन के मामले में महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और गुजरात समेत अन्य राज्य टॉप पर रहे। इस लिस्ट में सबसे ऊपर महाराष्ट्र है, जिसने जीएसटी कलेक्शन में 27,762 करोड़ रुपये का योगदान दिया। लेकिन, कलेक्शन ग्रोथ के मामले में मेघालय पहले पायदान पर रहा। वहीं, सबसे कम जीएसटी कलेक्शन 2 करोड़ रुपये लक्षद्वीप और 29 करोड़ रुपये मिजोरम से आया है।

जीएसटी कलेक्शन का यह आंकड़ा, वस्तु एवं सेवा कर की दरों में कटौती के बाद आया है। 22 सितंबर 2025 से जीएसटी की नई दरें लागू हो चुकी हैं और अब जीएसटी के सिर्फ दो ही स्लैब रखे गए हैं। 28 प्रतिशत और 12 प्रतिशत के स्लैब को हटा दिया गया है और 18 व 5 फीसदी स्लैब में ज्यादातर सामानों को रखा गया है। इस जीएसटी सुधार के साथ ही 90 प्रतिशत से ज़्यादा वस्तुएं लोअर कैटेगरी में आ गई हैं।

किसान विकास पत्र या नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट, कहां मिलता है ज्यादा ब्याज

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप सुरक्षित और गारंटीड रिटर्न चाहते हैं तो सरकारी स्कीम सबसे बेस्ट हैं। ऐसी ही दो सरकारी स्कीमें हैं- किसान विकास पत्र और नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट, दोनों ही सुरक्षित स्कीमें हैं। दोनों में निवेश पर गारंटीड रिटर्न तो मिलता ही है, साथ ही टैक्स बेनिफिट भी मिलता है।

लेकिन सवाल उठता है कि आखिर इन दोनों स्कीमों में अंतर क्या है? दोनों में ज्यादा ब्याज कहां मिलता है और कहां पैसा तेजी से बढ़ता है? तो चलिए समझते हैं पूरा कैलकुलेशन।

किसान विकास पत्र क्या है- किसान विकास पत्र एक लंबी अवधि का निवेश है। इसमें आपका पैसा तय समय में दोगुना हो जाता है। अभी चड्ढक्क की ब्याज दर 7.5त्न सालाना है। इसका मतलब यह है कि अगर आप 1 लाख रुपए निवेश करते हैं तो 115 महीनों (यानी करीब 9 साल 7 महीने) में यह दोगुना होकर 2 लाख रुपए बन जाएगा।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

पन्ना में फिर चमकी मजदूर की किस्मत, सड़क किनारे मिला 4 कैरेट का हीरा, इतनी आंकी जा रही कीमत

पन्ना। पन्ना जिले में एक बार फिर यह कहावत सच साबित हुई कि यहां की धरती किसी को भी रंक से राजा बना सकती है। पन्ना शहर से एक ऐसा हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां खेरा माता के दर्शन कर लौट रहे एक मजदूर को सड़क किनारे जैम्स क्वालिटी का 4.04 कैरेट का हीरा पड़ा हुआ मिला। इस हीरे की अनुमानित कीमत 10 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है।

रहूंनिया गुर्जर निवासी गोविंद सिंह आदिवासी (59 वर्ष) रोज की तरह सुबह खेरा माता के दर्शन के लिए गए थे। वापस लौटते समय उन्हें सड़क किनारे एक चमचमाता पत्थर दिखा, जिसे जिज्ञासावश उठाकर वह घर ले आए। परिवार को दिखाने पर उन्हें यह हीरे जैसा लगा, जिसके बाद वे इसे लेकर हीरा कार्यालय पहुंचे। हीरा पारखी अनुपम सिंह ने जब पत्थर की जांच की, तो वह 4.04 कैरेट का जेम्स क्वालिटी का हीरा निकला। ?गोविंद सिंह और उनके परिवार की खुशी का ठिकाना न रहा।

नीलामी के पैसों से घर बनवाएंगे गोविंद

गोविंद सिंह ने बताया कि वे सब्जी की खेती करते हैं और मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उन्होंने बताया कि पिछले तीन साल से वे माता रानी से प्रार्थना कर रहे थे कि वे ट्रैक्टर खरीद सकें। उन्होंने यह भी बताया कि नीलामी से मिलने वाले पैसों से वे पहले अपना अधूरा मकान बनवाएंगे और अगर अच्छी रकम मिली तो ट्रैक्टर भी खरीदेंगे। हीरो पार्क की अनुपम सिंह ने बताया कि यह जैम्स क्वालिटी का हीरा है जिसकी मार्केट में अच्छी डिमांड होती है इस हीरे को आगामी नीलामी में रखा जाएगा।

बचाने की कोशिश में दो युवकों की ट्रेन से कटकर दुखद मौत

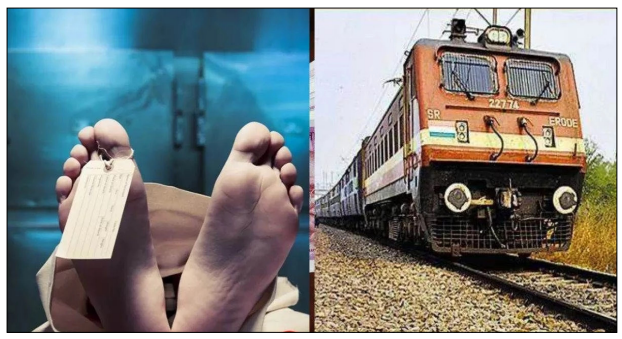

शहडोल। शहर कोतवाली क्षेत्र के मुरना रेलवे पुल के ऊपर ट्रैक पर गुड्स ट्रेन की चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार पुरानी बस्ती शहडोल निवासी सुरेश सोनी रेलवे ट्रैक पर आत्म हत्या करने जा रहा था और उसे बचाने उसका दूर का भाई व मित्र सचिन सोनी बचाने के लिए पीछे-पीछे चला। सुरेश रेलवे ट्रैक पर लेट गया था और उसे ट्रैक से हटाने के लिए सचिन प्रयास कर रहा था। उसी दौरान कटनी से शहडोल की ओर आ रही मालगाड़ी की चपेट में दोनों आ गए, जिसमें सचिन की घटना स्थल पर मौत हो गई और सुरेश को गंभीर चोट लगी।

मालगाड़ी की टक्कर से हुई दोनों की मौत-स्टेशन मास्टर की सूचना पर रेलवे की टीम सुरेश को जिला अस्पताल लेकर गई, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण प्राथमिक उपचार देकर जबलपुर मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया। जबलपुर ले जाते समय रास्ते में उमरिया के पास मौत हो गई है। तत्पश्चात थाना प्रभारी आरएम झरिया ने बताया कि अपने दोस्त को बचाने में पहले सचिन की मौत हुई है और बाद में उसके दोस्त सुरेश ने भी दम तोड़ दिया। दोनों की मौत मालगाड़ी की टक्कर से हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि यह घटना मंगलवार की देर रात लगभग 3.00 बजे की है। दोनों मृतक दुर्गा पंडाल में थे और किसी बात से सुरेश नाराज हो गया और पैदल आत्महत्या करने रेलवे ट्रैक पहुंच गया। सुरेश ने अपने साथी सचिन से कहा कि वह अब जीना नहीं चाहता, जिसे समझाने की कोशिश सचिन ने की लेकिन सुरेश नहीं माना। सुरेश के पीछे-पीछे सचिन भी चल पड़ा और मुड़ना नदी पुल के ऊपर स्थित रेलवे ट्रैक में पहुंच गए और उसी समय मालगाड़ी आई जिसकी चपेट में आने से दोनों की मौत हो गई है।

दोस्त के बचाने में सचिन की जान गई-जीआरपी थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जाएगी कि ऐसी कौन सी बात जिसके कारण दो युवकों की जान चली गई। बुधवार को पीएम के बाद शव स्वजनों को सौंप दिया गया है। अपने दोस्त के बचाने में सचिन की जान गई और फिर दोस्त की भी मौत हो गई।मालगाड़ी के चालक ने स्टेशन मास्टर को घटना की जानकारी दी थी। इसके बाद जीआरपी को सूचना मिलने पर वहां पुलिस पहुंच गई और वैधानिक कार्रवाई किया।

कूनो नेशनल पार्क के खुले गेट, माला पहनाकर किया पर्यटकों का स्वागत; चीतों के दीदार को उमड़े लोग

श्योपुर। नए पर्यटन सीजन में बुधवार को पर्यटकों के लिए फिर से कूनो नेशनल पार्क के गेट खोल दिए गए। नए सीजन में टिकटोली, अहेरा और पीपलबावड़ी प्रवेश गेटों पर पहले नारियल फोड़ा गया, उसके बाद पर्यटकों को माला पहनाकर और तिलक लगाकर स्वागत भी किया गया।

नए पर्यटन सीजन 2025-26 के पहले दिन कूनो के टिकटोली प्रवेश द्वार से 2 गाडियों से आठ पर्यटक पहुंचे। जिनका स्वागत किया गया। इसके बाद इन पर्यटकों ने कूनो में भ्रमण किया और कई वन्यजीवों के साथ ही प्राकृतिक सौंदर्य को निहारा।पार्क के पीपलबावड़ी और अहेरा गेट भी खोले गए हैं। यही वजह है कि तीनों गेटों पर फूलों से सजावट की गई और भारतीय परंपरानुसार नारियल फोडक़र और रंगोली सजाकर नए सीजन का श्रीगणेश किया गया।

चीता प्रोजेक्ट ने दी कूनो को नई दिशा

वर्ष 1981 में वन्यजीव अभयारण्य के रूप में स्थापित कूनो को वर्ष 2018 में नेशनल पार्क का दर्जा मिला। हालांकि 27 सालों तक एशियाई सिंहों की राह निहारते रहे कूनो नेशनल पार्क को अब चीता प्रोजेक्ट ने नई दिशा दी है।

यही वजह है कि 1 जुलाई से 30 सितंबर तक के तीन माह के वर्षाकालीन समय में पर्यटकों के लिए बंद रहा कूनो एक नई उम्मीद के साथ नए सीजन में फिर खुल गया है और उम्मीद है कि अब इस सीजन में पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी।

बुधवार, 1 अक्टूबर से कूनो नेशनल पार्क में आने वाले पर्यटक टिकटोली, अहेरा और पीपलवाड़ी गेट् से प्रवेश ले सकेंगे और खुले जंगल में आजादी की दौड़ लगाने वाले चीतों को निहार सकेंगे।बता दें कि कूनो के खुले जंगल में चीतो को पर्यटकों के दीदार के लिए काफी समय पहले आजादी की रफ्तार भरने के लिए छोड़ा गया था। वहीं कूनो के खुले जंगल में कुछ मादा चीता अपने चीता शावकों के साथ घूम रही हैं।

मादा चीता भारतीय जमीन पर पैदा हुए भारतीय पीढ़ी के चीता शावकों को शिकार करने के साथ साथ जीवन जीने के गुर सीखा रही हैं तो कुछ चीते कूनों से निकल कर अभी भी वीरपुर, विजयपुर और मुरैना जिले की सीमाओं में घूम रहे हैं।

कूनो नेशनल पार्क के तीन चीते मंदसौर के गांधी सागर अभयारण्य मे शिफ्ट किए जाने के बाद अब पार्क मे चीतों और शावकों को मिलाकर 24 चीते मौजूद हैं, जिनमें से 16 चीते कूनो के खुले जंगल में आजाद घूम रहे हैं तो वहीं 8 चीते और शावक कूनो के बाड़े मे बंद हैं।

माना जा रहा है कि चीता स्टेयरिंग कमेटी की बैठक के बाद एक बार फिर कमेटी कुछ चीतों को खुले जंगल मे छोड़ने के लिए कूनो पार्क प्रबंधन को हरी झंडी दे सकती है, ताकि पर्यटक जंगल सफारी के दौरान चीतों को आसानी से निहार सकेंगे।

भीकनगांव में बुजुर्ग के साथ 60 हजार रुपये की लूट, बैग छीन ले गए बाइक सवार दो बदमाश

खरगोन। मध्य प्रदेश में खरगोन जिले के भीकनगांव में एक बुजुर्ग के साथ दिनदहाड़े लूट की बड़ी वारदात हो गई। बाइक सवार दो बदमाश उनके हाथ से 60 हजार रुपये से भरा बैग छीन ले गए। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी वारदात के बाद बाइक से जाते हुए नजर आ रहे हैं। घटना की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। साथ ही आस-पास के इलाकों में बाइक सवार लुटेरों की तलाश में वाहनों की जांच शुरू कर दी गई है।

इधर... बदमाशों ने किराना दुकान से नकदी के साथ चुराए काजू और बादाम खरगोन शहर के चित्तौड़गढ़-भुसावल हाइवे स्थित अति व्यस्ततम मार्ग बिस्टान रोड पर संचालित हो रही एक किराना दुकान से सोमवार रात को चोरों ने निशाना बनाया।

चोरी की विशेषता यह रही कि चोरों ने नकदी के साथ ड्राईफ्रूट की चोरी भी की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया है। त्योहारी सीजन में हुई चोरी से दुकानदारों में डर और दहशत है।

प्रदेश के 15 विश्वविद्यालयों में मराठी, गुजराती, तेलुगु, तमिल और अन्य क्षेत्रीय भाषाएं पढ़ाने की तैयारी

भोपाल। महाराष्ट्र और कुछ दक्षिणी राज्यों में क्षेत्रीय भाषाओं को लेकर हुए अप्रिय विवादों के बीच मध्य प्रदेश में अच्छी पहल की गई है। यहां के विश्वविद्यालयों में संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कई क्षेत्रीय भाषाओं की पढ़ाई शुरू होने जा रही है। प्रदेश के 17 राज्य विश्वविद्यालयों में से 15 में इसकी शुरुआत होगी। मराठी, गुजराती, तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम, सिंधी, पंजाबी, बांग्ला, असमिया और मणिपुरी भाषा पढ़ाने की तैयारी पूरी कर ली गई है।

विश्वविद्यालयों ने विद्यार्थियों से मिले फीडबैक के आधार पर इन भाषाओं का चयन किया है। सबसे अधिक चार विश्वविद्यालयों ने मराठी पढ़ाने का निर्णय किया है। उसके बाद तीन गुजराती, तीन सिंधी, दो तमिल, दो कन्नड़, दो तेलुगु, दो पंजाबी और एक-एक विश्वविद्यालय में मलयालम, असमिया, मणिपुरी और बांग्ला की पढ़ाई होगी। भोपाल के बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में तेलुगु भाषा की पढ़ाई शुरू होगी।वहीं अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय मराठी और कन्नड़ भाषा का पाठ्यक्रम शुरू करेगा। इसे पढ़ाने के लिए विश्वविद्यालयों में अतिथि विद्वानों को रखा जाएगा। अधिकारियों के अनुसार यह पहल क्षेत्रीय भाषाओं के महत्व को समझने और विभिन्न राज्यों के विद्यार्थियों को एक-दूसरे की भाषाओं से जुड़ने का अवसर प्रदान करने के लिए की गई है।

डिप्लोमा पाठ्यक्रम होगा-विभागीय अधिकारियों ने बताया कि भाषा की पढ़ाई डिप्लोमा पाठ्यक्रम के रूप में होगी। यह विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य नहीं होगा। इच्छुक विद्यार्थी किसी भी भाषा का चयन कर सकते हैं। विद्यार्थियों की संख्या आधार पर भाषा विशेषज्ञों को पढ़ाने की व्यवस्था की जाएगी।

दुनिया में सबसे दुर्लभ अपने आराध्य का आशीर्वाद मिलना

कलाकार ने भेंट की जगतगुरू को पेंटिंग

इंदौर। दुनिया का सबसे दुर्लभ काम अपने आराध्य का आशीर्वाद मिलना है, क्योंकि इसके बाद कुछ बाकी नहीं रहता। ये बातें कृष्णगिरी पीठाधीश्वर, पूज्यपाद जगतगुरु श्री श्री 1008 आचार्य वसंत विजयानंद गिरिजी महाराज ने सोमवार की रात देवी भागवत कथा के दौरान श्रवण कर रहे भक्तों और अनुयायियों से कही। उन्होंने सोमवार को मां महागौरी के बारे में भक्तों को बताया और कल भक्तों के इष्ट के प्रत्यक्ष दर्शन भी कराए। भक्तों ने आखिर में अपने साथ हुए अनुभवों को बताया। इससे पहले भक्त यहां भजनों पर जमकर झूमे और भक्ति भाव में लीन दिखे। जगतगुरु ने भक्तों को बताया कि नवरात्रि के आठवें दिन मां महागौरी की पूजा की जाती है। मां का स्वरूप श्वेत वस्त्रों में अलंकृत, अत्यंत शांत और सौम्या है। वे पवित्रता, सदुण और तपस्या की प्रतीक मानी जाती है। मां महागौरी की आराधना से भक्त के सभी पाप नष्ट होते हैं और जीवन निर्मल व पवित्र बनता है। माना जाता है कि मां का आशीर्वाद साधक को वैवाहिक सुख, शांति और समृद्धि प्रदान करता है। मां की कृपा से जीवन से दुख, दरिद्रताओं और बाधाएं दूर हो जाती है और सुख-समृद्धि का संचार होता है।

ये नवरात्रि महामहोत्सव वीआईपी परस्पर नगर, इंदौर में 22 सितंबर से कृष्णगिरी पीठाधीश्वर, पूज्यपाद जगतगुरु श्री श्री 1008 आचार्य वसंत विजयानंद गिरिजी महाराज के सानिध्य में चल रहा है। यहां हर दिन विशेष साधना, महायज्ञ, देवी भागवत कथा, प्रवचन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हो रही है। ये अद्वितीय धार्मिक आयोजन 2 अक्टूबर तक चलेगा। मंगलवार को भी सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक विशेष साधना के बाद कुमकुम अर्चन, महायज्ञ में जाप के साथ 1 लाख विशेष आहुतियां दी गई।

कलाकार ने भेंट की पेंटिंग - कल देवी भागवत कथा से पहले मध्यप्रदेश के राजगढ़ ब्यावरा के एक कलाकार ललित नागर ने कृष्णगिरी पीठाधीश्वर, पूज्यपाद जगतगुरु श्री श्री 1008 आचार्य वसंत विजयानंद गिरिजी महाराज की बनाई पेंटिंग भेंट की। नागर ने बताया कि वे जगतगुरू के भक्त हैं और ये पेंटिंग तैयार करने में उन्हें दो दिन का समय लगा। जगतगुरू ने इस दौरान कलाकार को आशीर्वाद दिया।

रमेश मेंदोला और अन्य पहुंचे - कृष्णगिरी पीठाधीश्वर, पूज्यपाद जगतगुरु श्री श्री 1008 आचार्य वसंत विजयानंद गिरिजी महाराज का आशीर्वाद लेने सोमवार को विधायक रमेश मेंदोला और प्रजापिता ब्रह्मकुमारी से दीदियां पहुंची। कुछ अन्य संत और नागरिक भी दर्शन लाभ के लिए कल देवी भागवत कथा में पहुंचे।

दिन बढ़ने के साथ बढ़ती जा रही भीड़- 25 एकड़ में फैले इस अति विशाल पंडाल को देखने और दर्शन के लिए आने वाले भक्तों की भारी भीड़ वैसे तो पहले दिन से है, लेकिन अब जैसे-जैसे नवरात्रि के दिन खत्म हो रहे हैं, यहां भक्तों की भीड़ में इजाफा होता जा रहा है। हर दिन ये संख्या बढ़ती जा रही है। लाखों भक्त यहां आ रहे हैं और निःशुल्क उपवास और सामान्य भोजन प्रसादी का लाभ ले रहे हैं।

कलेक्टर शिवम वर्मा की पहल पर दिव्यांग खिलाड़ियों को मिली विशेष मदद

इंदौर। दिव्यांग खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर के खेलों में बेहतर प्रदर्शन के लिए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की पहल पर रेडक्रॉस निधि से विशेष तरह की व्हील चेयर की मदद की गई है। कलेक्टर श्री वर्मा ने आज कलेक्टर कार्यालय में इंदौर के राष्ट्रीय स्तर के 5 दिव्यांग खिलाड़ियों को विशेष तरह की व्हील चेयर ?वितरित की। उन्होंने खिलाड़ियों से चर्चा की, उनका स्वागत किया और आने वाली प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को हर तरह का सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। वे बेहतर प्रदर्शन करें तथा इंदौर का नाम राष्ट्रीय और विश्व मानचित्र पर अंकित करें। यह व्हील चेयर दिव्यांग टेबल टेनिस खिलाड़ी अनिल जैन, अजय यादव, पिंकी दुबे, समिना ठाकुर तथा रीना बेगम को दी गई। खिलाड़ी यह व्हील चेयर पाकर बेहद खुश हुए। उन्होंने कहा कि विशेष तरह की इस व्हील चेयर से हमें खेलने में बेहद मदद मिलेगी।

कलेक्टर शिवम वर्मा की संवेदनशीलता फिर आई सामने

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की सहजता और संवेदनशीलता आज फिर सामने आई। जनसुनवाई में अपनी पारिवारिक समस्या को लेकर पहुंची बुजुर्ग महिला की अनचाही समस्या का भी हाथों-हाथ ?निराकरण हो गया। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के पास अपनी समस्या लेकर आई बुजुर्ग महिला श्रीमती अंबिका वर्मा ने बताया कि वे अपने पुत्रों और बहुओं से परेशान है। बातचीत में कलेक्टर श्री वर्मा को बुजुर्ग महिला की सुनने की क्षमता कम दिखाई दी। बुजुर्ग महिला से पूछा की उन्हें सुनने में समस्या आती है? महिला ने बताया कि हाँ, मुझे सुनने में भी परेशानी आती है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने तुरंत ही श्रवण यंत्र मंगाकर महिला को उपलब्ध कराया।

अपने जीवन से जुड़ी इस समस्या के हल होते से ही महिला बेहद खुश हुई और कलेक्टर को दुआएं देने लगी। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने महिला को आश्वस्त किया कि उसकी मूल समस्या का भी सकारात्मक निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। कलेक्टर श्री वर्मा ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में आने वाले प्रत्येक आवेदन को दर्ज किया जाए। आवेदकों को बैठाकर इत्मिनान से उनकी समस्याएं सुनकर सकारात्मक निराकरण सुनिश्चित करें। जो समस्याएं हाथों-हाथ निराकृत नहीं हो सकती है, उनके निराकरण की समयसीमा तय की जाए। जनसुनवाई में असरावद खुर्द की कॉलोनी सैटेलाइट वैली के आवेदक भी अपनी समस्या लेकर पहुँचे। उन्होंने बताया कि उन्होंने प्लॉट लिया है और अभी भवन निर्माण की अनुमति नहीं मिल रही है। विकास भी नहीं हो रहा है। कलेक्टर श्री वर्मा ने अपर कलेक्टर श्री गौरव बेनल को समस्या का सकारात्मक हल निकालने और दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई के निर्देश भी दिए।

इसी तरह एक आवेदक गोविन्द भी अपनी समस्या लेकर कलेक्टर के समक्ष पहुँचा। उसने बताया कि मैं अनाथ हूँ और जीवन यापन का कोई सहारा नहीं है। कलेक्टर श्री वर्मा ने उक्त युवा की समस्या के त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्री वर्मा ने बड़ी संख्या में आवेदकों को अपने समक्ष बैठाकर सहजता के साथ उनकी समस्याओं को सुना और यथोचित निराकरण किया।

क्रांतिवीर शहीद सआदत खां मेवाती गौरव सम्मान अवार्ड - 2025

इन्दौर। मेव एजुकेशनल वेलफेयर अवेयरनेस ट्रस्ट द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विभिन्न समाजसेवियों को क्रांतिवीर शहीद सआदत खां मेवाती गौरव सम्मान अवार्ड - 2025 से सम्मानित किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित समारोह बुधवार, 01 अक्टूबर 2025 को शाम 5 बजे से 8 बजे तक इन्दौर के अभिनव कला समाज, गांधी हॉल परिसर में आयोजित होगा। इस अवसर पर समाज के अनेक प्रख्यात हस्तियाँ मुख्य अथिति के रूप में उपस्थित रहेंगी, जिनमें शामिल हैं - सत्यनारायण पटेल (राष्ट्रीय महासचिव, कांग्रेस), डॉ. ईशरत अली (शहर काज़ी, इन्दौर), बिशप थॉमस मैथ्यू कुट्टीमैकल (ईसाई धर्मगुरु), श्रीमती अलका सोनकर (जेल अधीक्षक, इन्दौर), ए.एस.आई.एस. पॉल (सेवानिवृत्त डाक मंडल सदस्य, नई दिल्ली), प्रवीण खारीवाल (अध्यक्ष, स्टेट प्रेस क्लब) कार्यक्रम में विशेष रूप से सम्मानित होने वाले समाजसेवियों के नाम इस प्रकार हैं - मोअज्जम अली बहादुर फरयाद, समाजसेवी मदन परमालिया, पी.एल.लबाना (पूर्व जेल अधीक्षक, इन्दौर), मो. इकबाल खान मेव, डॉ. भाग्यश्री नवीन खरखडिया जी , प्रोफेसर डॉ. असद खान , स. मनप्रीत सिंह होरा, राजू सैनी, हबीब खाँ बनारसी मेवाती। मेव एजुकेशनल वेलफेयर अवेयरनेस ट्रस्ट का उद्देश्य समाज के उन कार्यकर्ताओं को सम्मानित करना है, जो निःस्वार्थ भाव से शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और मानवता की सेवा के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं, ट्रस्ट ने अपील की है कि शहरवासियों एवं समाज के प्रबुद्ध नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति इस आयोजन की शोभा को और बढ़ाएगी।

मंत्री श्री सिलावट सहित जनप्रतिनिधियों ने स्वर्गीय श्री माधवराव सिंधिया की पुण्यतिथि पर श्रृद्धा-सुमन किए अर्पित

इंदौर। स्वर्गीय श्री माधवराव सिंधिया की पुण्यतिथि पर आज इन्दौर के बंगाली चौराहा पर स्थित प्रतिमा स्थल पर श्रृद्धा-सुमन अर्पित किए गए। इस दौरान जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट सहित अन्य विधायकों और जनप्रतिनिधियों ने स्वर्गीय श्री माधवराव सिंधिया की प्रतिमा पर श्रृद्धा-सुमन अर्पित कर श्रृद्धाजलि दी। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि स्वर्गीय श्री सिंधिया ने जीवन भर समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गों की सेवा को अपना धर्म माना। वे प्रेरणापुंज है। उन्होंने जनसेवा को अपने जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य माना। सादगी, दूरदर्शिता और समाज के प्रति अटूट समर्पण के प्रतीक रहे हैं। उन्होंने जीवन भर समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गों की सेवा को अपना धर्म माना, हमें उनके आदर्शों और सिद्धांतों पर चलना चाहिए और गरीबों की सेवा करना चाहिए। इस अवसर पर विधायक सर्वश्री रमेश मेंदोला, मधु वर्मा तथा महेन्द्र हार्डिया, पूर्व विधायक श्री सुदर्शन गुप्ता, पूर्व महापौर श्री कृष्णकांत मोघे, नगर अध्यक्ष श्री सुमित मिश्रा, श्री राजेन्द्र राठौर, श्री अजयसिंह नरूका, श्री मोहन सेंगर, जनपद अध्यक्ष श्री विश्वजीतसिंह सिसौदिया, एमआईसी सदस्य श्री नन्दू पहाडिया, श्री अभिषेक बब्लू शर्मा, श्री राजेश उदावत, पार्षद श्री कमल वाघेला, श्री योगेश गेंदर, श्री मनोज मिश्रा, श्री सुरेश कुरवाडे, श्री राकेश सोलंकी, श्री विजय यादव, श्री पवन जायसवाल, श्री पप्पु शर्मा, श्री राजेश पाण्डेय, किरण सूर्यवंशी, वंदना सिंह, श्री विष्णु चौधरी, श्री यशवंत शर्मा, श्री लक्की अवस्थी, श्री अर्जुन क्षत्रिय, श्री पवन तिवारी, श्री रजनीश वर्मा सहित सैकडों कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय श्री माधवराव सिंधिया की प्रतिमा पर मार्त्यापण किया।

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया की अध्यक्षता में विभागीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

इंदौर। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया की अध्यक्षता में आज विभागीय समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पूरक पोषण आहार, मुख्यमंत्री बाल संवर्धन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री मात्र वंदना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, मिशन वात्सल्य, पीएम केयर फार चिल्ड्रन्स योजना, दत्तक ग्रहण योजना, मिशन शक्ति योजना आदि की समीक्षा की गई। बैठक में महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से महिलाएं एवं बच्चें वंचित नहीं रहें। आँगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों को सम्पूर्ण पोषण युक्त आहार दिया जाए। सभी अधिकारी मैदान में जाकर आँगनवाडी केन्द्रों का निरीक्षण करें और उसकी सतत मॉनिटरिंग करें। आँगनवाड़ी सहायिका और कार्यकर्ता घर-घर जाकर पात्र हितग्राहियों को चिन्हित करें और उन्हें हित लाभ उपलब्ध कराये। बच्चों का वजन करें। लक्ष्य को सुनिश्चित करने के लिए सभी कार्य निश्चित समय-सीमा मे गुणवत्ता के साथ करें। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रजनीश सिंहा, संयुक्त संचालक डॉ. विशाल नाडकर्णी, महिला एवं बाल विकास ?विभाग की क्षेत्रीय संयुक्त संचालक श्रीमती संध्या व्यास, उप संचालक श्रीमती सुनिता यादव एवं सहायक संचालक श्री विष्णु प्रताप सिंह उपस्थित रहें।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

संभागायुक्त श्री सिंह द्वारा कमिश्नर कलेक्टर कॉन्फ्रेंस की पूर्व तैयारियों के संबंध में बैठक की गई

उज्जैन । संभागायुक्त आशीष सिंह द्वारा आगामी दिनों में आयोजित होने वाली कमिश्नर कलेक्टर कांफ्रेंस के पूर्व, कॉन्फ्रेंस में संभाग के अंतर्गत जिलों में विभागीय योजनाओं की प्रगति और अन्य प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा के लिए बुधवार को प्रशासनिक संकुल भवन के एनआईसी कक्ष में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कांफ्रेंस के अंतर्गत पीएम आवास की प्रगति , दुग्ध संघ के कार्यों, नरेगा में एक बगिया मां के नाम अभियान के अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों, स्व सहायता समूह के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए बैंक लिंकेज, कृषि सिंचाई योजना, पीएमजीएसवाई के अंतर्गत किए जाने वाले निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गयी।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत उज्जैन श्री श्रेयांस कूमट, सीईओ जिला पंचायत देवास श्रीमती ज्योति शर्मा और सीईओ जिला पंचायत रतलाम, उपायुक्त श्रीमती कीर्ति मिश्रा, परियोजना अधिकारी प्रधानमंत्री आवास योजना, परियोजना अधिकारी मनरेगा ,जिला परियोजना प्रबंधक एनआरएलएम, जिला समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन, आदिम जाति कल्याण विभाग के जिला संयोजक एवं प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क के महाप्रबंधक उपस्थित थे।

रणभूमि की वेशभुषा से सुसज्जित 101 फीट उंचे रावण के पुतले का दहन होगा

उज्जैन। पुण्य सलिला माँ क्षिप्रा के पावन तट पर स्थित कार्तिक मेला प्रांगण में विजयादशमी महोत्सव के अंतर्गत प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 2 अक्टूबर गुरूवार को रावण दहन किया जाएगा।

स्व. श्री प्रेमनारायण यादव व स्व. श्री राम भैया यादव की स्मृति में विजयादशमी महोत्सव समिति के सचिव चेतन प्रेमनारायण यादव ने बताया कि इस वर्ष 101 फीट उंचे रणभूमि की वेशभुषा से सुसज्जित रावण का निर्माण किया जा रहा है।

रावण पर आतिशबाजी के माध्यम से जगमगाते तीरों से प्रहार किया जावेगा, जिसमें ग्वालियर एवं शिवपुरी के आतिशबाज जंगी प्रदर्शन करेंगे। इस बार आतिशबाजी में विशेष आर्कषण गोल्डन एंव सिल्वर झरना रहेंगें। इस वर्ष भी प्रतिवर्ष की भाँति आकशीय रंगीन आतिशबाजीयों विशेष प्रदर्शन संध्या 6:30 बजे से किया जावेगा। रावण के पुतले का निर्माण सुप्रसिद्ध कलाकार श्री राम लखन के निर्देशन में किया जा रहा है।

भगवान श्रीराम लक्ष्मण की सवारी व देवगुरु बृहस्पति महाराज की पालकी का परम्परानुसार कार्तिक मेला प्रांगण पर पहुंचेगी। पालकी का पूजन सभांग आयुक्त आशीष सिंह एवं नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के द्वारा किया जावेगा। समिति द्वारा सभी धर्मगुरूओं का सम्मान किया जायेगा।

उल्लेखनीय है कि पंडित श्री आनंदशंकर व्यास एवं पं. श्री स्व. राधेश्याम जी उपाध्याय की प्रेरणा से उप महापौर स्वं. श्री प्रेमनारायण जी यादव समिति के सदस्यों ने नागरिको की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए वर्ष 1983 से इस आयोजन की शुरूआत की इस वर्ष भी भगवान श्रीराम एवं रावण युद्ध मे मध्य समर क्षेत्र में संवार भी होंगे।

श्री रणकेश्वर धाम पर 3 अक्टूबर को होगा सर्व समाज शस्त्र पूजन

उज्जैन। शौर्य का प्रतीक शक्ति उपासना के नौ दिवसीय पर्व शारदीय नवरात्रि में सर्व समाज शस्त्र पूजन का आयोजन रणकेश्वर धाम परिवार एवं शिव शक्ति क्लब के संयुक्त तत्वाधान में 3 अक्टूबर शुक्रवार सायं 4 बजे से 6 बजे तक श्री रणकेश्वर धाम मंदिर एम आर 5 मार्ग, आगर मक्सी बायपास रोड़ पर होने जा रहा है। समरसता के भाव को दर्शाता यह आयोजन प्रथम बार उज्जैनी के इतिहास में एक नया नवाचार है जिसमें सभी सनातनी एवं सर्व समाजजन को आमंत्रित किया गया है।

विष्णु सहस्त्रनाम पाठ कर की जाएगी श्री प्रकटेश्वर महादेव की कांकडा आरती

उज्जैन। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बासी दशहरे 3 अक्टूबर शुक्रवार को श्री प्रकटेश्वर महादेव मंदिर फ्रीगंज में विष्णु सहस्त्रनाम पाठ के 108 पाठ कर प्रातः 9 बजे कांकडा भव्य आरती की जाएगी व प्रसाद वितरण होगा। जिसमें फ्रीगंज के रहवासी, मंडल सदस्य व भक्तगण उपस्थित रहेंगे।

श्री शिव विष्णु समिती के स्थापना दिवस व वार्षिकोत्सव का यह 79वां वर्ष है। कार्यक्रम में भगवान का पूजन आरती कर सभी भक्तजनों को प्रसाद वितरण किया जाएगा। मंदिर पैतृक पुजारी घनश्याम शर्मा ने बताया कि यह कार्यक्रम पुजारी परिवार द्वारा चार पीढ़ी से सतत करवाया जाता चला आ रहा है। पूर्व मंदिर पुजारी स्व. दादाबा गणपतजी पुजारी व स्व. भेरूलाल शर्माजी की स्मृति में उक्त कार्यक्रम किया जाएगा। समिति ने सभी भक्तजनों से कार्यक्रम में पधारकर धर्मलाभ लेने का अनुरोध किया है।

जय माँ चामुण्डा भक्त मंडल ने माता की महाआरती कर कन्या पूजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया

नागर ब्राह्मण समाज के प्रदेश पदाधिकारियों ने किया कन्या पूजन

उज्जैन। बिलोटीपुरा स्थित माँ चामुण्डा मंदिर पर जय माँ चामुण्डा भक्त मंडल द्वारा कन्या पूजन एवं विशाल भंडारे का भव्य आयोजन किया। जिसमें बड़ी संख्या में कन्या एवं बटुकों ने भाग लिया। भंडारा शुरू करने से पहले माँ चामुण्डा प्रसाद का भोग लगाया गया और आरती की गई। दीपेन्द्र सरसवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में किन्नर समाज की समाजसेवी सपना गुरु उपस्थित थी।

नवरात्रि के पावन पर्व पर जय माँ चामुण्डा भक्त मंडल एवं किन्नर समाज ने एक अनूठी और प्रेरणादायक पहल को एक बार फिर जीवंत कर दिया। अपनी 40 साल पुरानी अटूट परंपरा को निभाते हुए, किन्नर समाज के लोगों ने नवरात्रि के शुभ अवसर पर कन्या पूजन और एक विशाल भंडारे का भव्य आयोजन किया। यह आयोजन न सिर्फ धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि सामाजिक सद्भाव और भाईचारे की मिसाल भी पेश की।

कार्यक्रम के दौरान सपना गुरु ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहां की हम सिर्फ कन्या पूजन ही नहीं करते, बल्कि हर एक कन्या को सम्मान पूर्वक दक्षिणा भी देते हैं। हमारी यह कोशिश होती है कि इन कन्याओं का आशीर्वाद हमें मिले और हमारा समाज खुशहाल और समृद्ध रहे। इस मौके पर कन्याओं को श्रद्धाभाव से भोजन कराया गया, उनके चरण धोए गए, और उन्हें नए वस्त्र व दक्षिणा भेंट की गई। इस भव्य आयोजन में शहर की कई समाजसेवी संस्थाओं और प्रतिष्ठित नागरिकों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी ने मिलकर इस नेक कार्य को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। आयोजन स्थल पर गूंजते माता रानी के जयकारे और भक्तों की भीड़ ने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। यह आयोजन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज की खुशहाली और उन्नति के लिए एक प्रार्थना है। उनकी कामना है कि माता रानी सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें और धर्म की पताका हमेशा ऊँची लहराती रहे। इसी दौरान मौजूद सभी लोगों ने एक सुर में यही प्रार्थना की और धर्म मानवता का यह संदेश देश के कोने-कोने तक पहुंचा। इस मौके पर विशाल खटीक, विकास साहू, पार्षद छोटेलाल मंडलोई, संजय धौल पूरे आदि लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

उज्जैन जिला अध्यक्ष बने सुभाष मारू सुमराखेड़ा

उज्जैन। नेशनल एंटी करप्शन एंड ऑपरेशन कमेटी ऑफ इंडिया का 14वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन चित्रकूट में आयोजित किया गया। जिसमें सुभाष मारू सुमराखेड़ा को उज्जैन जिलाध्यक्ष बनाया गया।

मध्य प्रदेश को सर्वोच्च सम्मान में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ। घोषणा होते ही प्रदेश अध्यक्ष अनिल बोराना ने कहा इस अवार्ड को अपनी पूरी मध्य प्रदेश की टीम के साथ ग्रहण करना चाहता हूं। क्यूँकी मेरी टीम ही मेरी ताकत है। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजेश शुक्ला ने मंच पर पूरी मध्य प्रदेश टीम को आमंत्रित किया और सभी की मौजूदगी में सम्मानित किया। साथ ही पूरी टीम को भी सम्मानित किया। प्रदेश अध्यक्ष अनिल बोराना ने संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजेश शुक्ला का आभार व्यक्त किया और पूरी मध्य प्रदेश की टीम को भी बहुत-बहुत धन्यवाद देते हुए हमेशा एसे ही साथ देने के लिए कहा। 2 दिन की भोजन की व्यवस्था रतलाम से अनिल बोराना, संजय जैन, सुदर्शन गादीया, तुषार गादीया, उज्जैन से नीतेश नाहटा, द्वारा की गई एवं धर्मीचंद तिवारी, मदन महाराज द्वारा भोजन बनाया गया। मनोज परमार रतलाम एवं उज्जैन से संतोष जैन, भूपेंद्र जैन, ललित कोठारी, सुभाष मारू सुमराखेड़ा, सत्यनारायण मरमट द्वारा भोजन करवाने के लिए सहयोग दिया गया। मंच से उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सुभाष मारू सुमराखेड़ा को उज्जैन जिला अध्यक्ष की घोषणा प्रदेश अध्यक्ष अनिल बोराना द्वारा की गई। जिसके लिए सभी ने अनिल बोराना का आभार व्यक्त किया और सुभाष मारू को सभी ने बधाई दी।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com